वर्ष-10 अंक-272 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
पौष माघ
प्रयागराज, सोमवार 13 जनवरी 2025
TM
नगर संस्करण
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
Adhunik Samachar
आधुनिक समाचार नेटवर्क
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From
Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

हम धरती के मालिक नहीं, संरक्षक हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कोलकाता। कोलकाता के साइंस सिटी में 'ऑन द एज' नाम की जलवायु परिवर्तन गैलरी का उद्घाटन करने के बाद गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है और केवल वैज्ञानिकों को नहीं बल्कि, प्रत्येक नागरिक को एक हितधारक के रूप में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। हम धरती के मालिक नहीं, बल्कि संरक्षक हैं। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि जलवायु

परिवर्तन से निपटने के लिए सभी को आगे आना चाहिए। धरती का सावधानी और संवेदनशीलता के साथ उपयोग करना होगा। इसे मां के रूप में अनुभव करना होगा। कोलकाता के साइंस सिटी में 'ऑन द एज' नाम की जलवायु परिवर्तन गैलरी का उद्घाटन करने के बाद गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है और केवल वैज्ञानिकों को नहीं बल्कि, प्रत्येक नागरिक को एक हितधारक के रूप में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। हम धरती के मालिक नहीं, बल्कि संरक्षक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दूरदर्शी नीतियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय मानकों से परे, भारत अपने लक्ष्यों पर अडिग रहेगा और हर हाल में इसे सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, बीते एक दशक में भारत में जितने बड़े स्तर पर वृक्षारोपण और हरित कार्य हुए हैं, वह दुनिया के कुछ ही देशों में देखने को मिलता है। इसे बनाए रखने के लिए सभी को संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने से केवल तापमान में वृद्धि, समुद्र स्तर का बढ़ना और अनियमित वर्षा जैसे खतरे ही नहीं, बल्कि ऋतुओं के चक्र में भी बदलाव होने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि, यह परिवर्तन पूरी मानव जाति को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने चेताया कि विज्ञान और तकनीक के जरिए प्रकृति पर विजय पाने का प्रयास किया जा सकता है, लेकिन पर्यावरण असंतुलन मानव अस्तित्व पर संकट ला सकता है।

युवाओं से संवाद करेंगे पीएम मोदी, जानेंगे विकसित भारत का रोडमैप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इसे युवाओं की राजनीति की पाठशाला कहा जा सकता है। इसके माध्यम से सरकार का जोर युवा नेता बनाना है, जो देश के विकास के विजन उनके विचारों को जानेंगे। भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रधानमंत्री युवाओं के साथ महिला सशक्तिकरण, विकसित भारत, डिजिटल भारत, खेलों में श्रेष्ठता जैसे 10 विषयों

को प्रमुखता देते हुए राजनीति में आगे बढ़े इस युवा महोत्सव को युवा के लिए युवाओं द्वारा युवा संकल्प के साथ पेश किया गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पूरा दिन 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में प्रतिभागियों के साथ बिताएंगे। यह कार्यक्रम बिना किसी राजनीतिक संबंध वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के उनके प्रयासों के तहत आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद की जयंती के मौके पर होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें पीएम मोदी युवाओं से 2047 के विकसित भारत के रोड मैप पर प्रेजेंटेशन भी देखेंगे। इसके चलते बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं को अवसर देकर देश निर्माण के 10 विषयों पर 2047 में विकसित भारत के लिए उनके विजन को सम्मिलित किया गया है। इसे युवाओं की राजनीति की पाठशाला कहा जा सकता है। इसके माध्यम से सरकार का जोर युवा नेता बनाना है, जो देश के विकास के विजन को प्रमुखता देते हुए राजनीति में आगे बढ़े इस युवा महोत्सव को युवा के लिए युवाओं द्वारा युवा संकल्प के साथ पेश किया गया है। यह केवल एक आयोजन नहीं बल्कि अभियान है, युवाओं को सशक्त करने, उनकी नेतृत्व क्षमता व्यावहारिक विचार जो कि विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप है। युवाओं को महोत्सव में उनकी योग्यता के अनुरूप प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस बार राष्ट्रीय युवा महोत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवा ऊर्जा का प्रतीक रहा है, देश निर्माण और विकास के विजन में भी सम्मिलित हो रहा है।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वे विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं से उनकी मुलाकात होगी, उनमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, संस्कृति और अन्य चीजों के प्रति काफी जुनून है। बयान में कहा गया है कि आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय युवा महोत्सव को पारंपरिक तरीके से आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है। यह बिना किसी राजनीतिक संबद्धता वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के विचारों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के संबंध में हैं। इससे पहले, विकसित भारत युवा नेता संवाद के दूसरे दिन विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज हस्तियों ने भारत मंडपम में जुटे युवाओं को बताया कि टेक्नोलॉजी आज की महती जरूरत है। इसलिए उन्हें इसमें खुद को लगातार अपग्रेड करना होगा। विकसित भारत के रोडमैप पर चर्चा के दौरान युवाओं से भारत को स्टार्टअप राजधानी बनाने का आह्वान भी किया गया।

जल्द ही भारत आएंगे मॉरीशस के पीएम रामगुलाम', उप-विदेश मंत्री हंबीराजन नरसिंहन ने दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नरसिंहन ने कहा कि उन्हें विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अच्छा अनुभव हुआ। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जल्द ही भारत दौरे पर आएंगे। मॉरीशस के उप विदेश मंत्री ने अपने देश की हिंद महासागर में रणनीतिक स्थिति और भारत, खासकर तमिलनाडु के साथ संबंधों पर भी चर्चा की। उन्होंने

मॉरीशस समकक्ष को भारत आने का निमंत्रण दिया है और रामगुलाम जल्द ही भारत दौरे पर आएंगे। चेन्नई दौरे पर आए मॉरीशस के उप विदेश मंत्री हंबीराजन नरसिंहन ने शनिवार को बताया कि उनके प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर अगले दो से तीन महीनों में भारत आएंगे। यह जानकारी उन्होंने विश्व तमिल प्रवासी दिवस के पहले दिन एएनआई से बात करते हुए दी। नरसिंहन ने कहा कि उन्हें विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अच्छा अनुभव हुआ। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मॉरीशस समकक्ष को भारत आने का निमंत्रण दिया है और रामगुलाम मॉरीशस के तटस्थ रुख को स्विट्जरलैंड के समान बताया और कहा कि उनके देश के भारत के साथ मजबूत संबंध हैं।नरसिंहन ने तमिलनाडु के लोगों को मॉरीशस में व्यापार के अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने मॉरीशस को अफ्रीकी, भारतीय और यूरोपीय प्रभावों का मिश्रण बताया और इसे एक विविध सांस्कृतिक वातावरण का उदाहरण माना। बता दें कि मॉरीशस के उप विदेश मंत्री हंबीराजन नरसिंहन चेन्नई के नंदंबक्कम में आयोजित दो दिवसीय विश्व तमिल प्रवासी दिवस 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए तमिलनाडु में थे, जो तमिलनाडु सरकार और वैश्विक तमिल प्रवासियों के सहयोग से आयोजित किया गया है।

परीक्षाओं में पारदर्शिता होनी ही नहीं, दिखनी भी चाहिए', पेपर लीक पर उपराष्ट्रपति चिंतित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर सेवानिवृत्ति के बाद भर्ती और सेवा विस्तार देने विस्तार दर्शाता है कि कुछ लोग अपरिहार्य हैं, लेकिन अपरिहार्यता एक मिथक है। इस देश में प्रतिभा की भरमार है। कोई भी अपरिहार्य नहीं है। राज्य और केंद्रीय स्तर पर लोक सेवा आयोगों को ऐसी

की प्रवृत्ति छोड़ने की जरूरत भी बताई। उन्होंने सेवा विस्तार को अपनी बारी का इंतजार कर रहे प्रतिभाशाली लोगों के साथ अन्याय बताया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि परीक्षाओं और साक्षात्कारों के संचालन में सार्वजनिक जवाबदेही और पारदर्शिता न केवल होनी चाहिए, बल्कि दिखनी भी चाहिए। उन्होंने राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर सेवानिवृत्ति के बाद भर्ती और सेवा विस्तार देने की प्रवृत्ति छोड़ने की जरूरत भी बताई।उपराष्ट्रपति ने सेवा विस्तार को अपनी बारी का इंतजार कर रहे प्रतिभाशाली लोगों के साथ अन्याय बताया। उन्होंने कहा कि स्थितियों में अपनी भूमिका को लेकर दृढ़ रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा, लोक सेवा आयोगों में नियुक्ति संरक्षण या पक्षपात से प्रेरित नहीं हो सकती। हमें अपनी अंतरात्मा के सामने खुद को जवाबदेह ठहराना चाहिए। हम लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य को किसी विशेष विचारधारा या व्यक्ति से जुड़ा नहीं रख सकते। यह संविधान के ढांचे के सार और भावना के विरुद्ध होगा। पेपर लीक पर चिंता जताते हुए धनखड़ ने कहा, आपको इस पर अंकुश लगाना होगा। यदि पेपर लीक होते रहेंगे तो चयन की निष्पक्षता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। पेपर लीक होना एक उद्योग बन गया है। लोग परीक्षाओं से डरते थे। यह कितना कठिन होगा।

गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे इंडोनेशियाई राष्ट्रपति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के 26 जनवरी को भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने की संभावना तेज हो गई है। इस मामले में भारत ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। क्योंकि अटकलें तेज थी कि प्रबोवो भारत के बाद पाकिस्तान के दौरे पर जाने वाले है। इस साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो शामिल हो सकते हैं। हालांकि इसे लेकर भारत ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। दरअसल, पहले खबर थी कि प्रबोवो भारत के बाद पाकिस्तान के दौरे पर जाने वाले हैं। हालांकि अब इंडोनेशियाई राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं जाकर मलेशिया की यात्रा करने वाले हैं, जिससे ये बात लगभग-लगभग तय माना जा रहा है कि प्रबोवो गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि हो सकते हैं। बता दें कि प्रबोवो सुबियांटो का यह दौरा भारत की नीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह दक्षिण-पूर्व

एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान देशों) के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है। देखा जाए 1950 के बाद चौथा मौका होगा जब कोई इंडोनेशियाई नेता भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनेंगे। गौरतलब है कि भारत गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केवल उन देशों के नेताओं को निमंत्रण देता है, जिनके साथ उसके अच्छे और मजबूत कूटनीतिक रिश्ते होते हैं। इसी आधार पर इंडोनेशिया भारत का करीबी समुद्री पड़ोसी है और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंध हैं। यह प्रक्रिया आयोजन से करीब छह महीने पहले शुरू हो जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान विदेश मंत्रालय शामिल रहता है। किसी भी देश को निमंत्रण देने के लिए सबसे पहले यह है देखा जाता है ।

कामजोंग जिले में असम राइफल्स के शिविर पर भीड़ का हमला, जवाब में दागे आंसू गैस के गोले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार को असम राइफल्स ने कासोम खुल्लेन में घरों के निर्माण के लिए ले जाए रहे लकड़ियों से भरे वाहन को रोक दिया। इससे नाराज स्थानीय लोगों ने असम राइफल्स के

अस्थायी कैंप पर हमला कर उसे तबाह कर दिया। भीड़ इस इलाके से असम राइफल्स के अस्थायी शिविर को हटाने की मांग कर रही थी। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में शनिवार को एक बार फिर हिंसा की खबरें सामने आईं। मणिपुर के कामजोंग जिले में भीड़ ने असम राइफल्स के अस्थायी शिविर पर हमला कर उसे तबाह कर दिया। उत्पीड़न और लकड़ियों के परिवहन पर प्रतिबंध से स्थानीय लोग नाराज थे।अधिकारियों ने बताया कि होंगबेई क्षेत्र में शिविर पर हमला करने वाले समूह के सदस्य बहुल जिले के कसोम खुल्लेन ब्लॉक के थे।अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार को असम राइफल्स ने कासोम खुल्लेन में घरों के निर्माण के लिए ले जाए रहे लकड़ियों से भरे वाहन को रोक दिया। इससे नाराज स्थानीय लोगों ने असम राइफल्स के अस्थायी कैंप पर हमला कर उसे तबाह कर दिया। भीड़ इस इलाके से असम राइफल्स के अस्थायी शिविर को हटाने की मांग कर रही थी। भीड़ पर काबू पाने के लिए असम राइफल्स के जवानों ने हवा में फायरिंग की और आंसू गैस के गोले दागे।मई, 2023 से राज्य में कुकी-जो और मैतेई समुदाय के बीच शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। हिंसा पर नियंत्रण और शांति बहाली के लिए राज्य में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कंपनियां तैनात हैं।

मेक इन इंडिया यात्रा में खास उपलब्धि, चेन्नई में नई असेंबली लाइन शुरू; सालाना 10 लाख बनेंगे लैपटॉप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मद्रास एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन (एमईपीजेड) में स्थित यह सुविधा भारत की मेक इन इंडिया यात्रा में एक महत्वपूर्ण जाएगा।मद्रास एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन (एमईपीजेड) में स्थित यह सुविधा भारत की मेक इन इंडिया यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जो मोबाइल फोन से

बदलाव का प्रतीक है। इससे मोबाइल फोन से आईटी हार्डवेयर निर्माण विशेष रूप से लैपटॉप तक अपना प्रभुत्व बढ़ाती है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक अभूतपूर्व विकास में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चेन्नई में सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी की अत्याधुनिक लैपटॉप असेंबली लाइन का उद्घाटन किया। इससे शुरू में सालाना 1,00,000 लैपटॉप का उत्पादन होगा। अगले एक दो वर्षों में इसे बढ़ाकर 10 लाख तक किया आईटी हार्डवेयर निर्माण विशेष रूप से लैपटॉप तक अपना प्रभुत्व बढ़ाती है। सिरमा एसजीएस वर्तमान में चेन्नई में चार विनिर्माण इकाइयों का संचालन करती है, इसकी यूनिट 3 अब लैपटॉप उत्पादन शुरू कर रही है।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में एक शक्ति केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो 1.3 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन और भारत के निर्यात का 30 फीसदी हिस्सा है। वैष्णव ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक काम करना चाहिए कि आने वाले समय में इलेक्ट्रॉनिक घटक इको- सिस्टम भी विकसित हो।उन्होंने कहा कि ये न सिर्फ भारत के लिए एक बड़ी विकास कहानी को आगे बढ़ाएगा, बल्कि ये आत्मनिर्भर भारत के हमारे विजन के अनुरूप भी होगा, जो आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा व वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परिदृश्य में हमारी स्थिति को सुदृढ़ करेगा। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र एक दशक में तेजी से बढ़ा है। इसका कुल उत्पादन 2014 में 2.4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 9.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अकेले मोबाइल विनिर्माण 4.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। 2024 में निर्यात 1.5 लाख करोड़ रुपये था। भारत में उपयोग किए जाने वाले 98 फीसदी मोबाइल फोन अब भारत में निर्मित किए जा रहे हैं। सिरमा एसजीएस ने भारत में उच्च गुणवत्ता वाले लैपटॉप के निर्माण के लिए ताइवान की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रो-स्टार इंटरनेशनल (एमएसआई) के साथ साझेदारी की है, जो घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगी। इस सुविधा से वित्त वर्ष 26 तक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 150-200 विशेष नौकरियों के सृजित होने का अनुमान है।

शेख हसीना जब तक चाहें उन्हें भारत में रहने दिया जाए'; मणिशंकर अय्यर ने बांग्लादेश के हाल पर जताई चिंता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हसीना के प्रत्यर्पण की बांग्लादेश की मांग के बारे में उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम इस बात से कभी असहमत नहीं होंगे कि शेख हसीना ने हमारे लिए बहुत अच्छा किया है।पूर्व राजनयिक व पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने शनिवार को कहा कि अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना को जब तक वह चाहें भारत में रहने दिया जाना चाहिए। 16वें एपीजे कोलकाता साहित्य महोत्सव के दौरान उन्होंने कहा कि बातचीत निरंतर होनी चाहिए और नई दिल्ली को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ मंत्रिस्तरीय संपर्क स्थापित करने की जरूरत है। हसीना के प्रत्यर्पण की बांग्लादेश की मांग के बारे में उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम इस बात से कभी असहमत नहीं होंगे कि शेख हसीना ने हमारे लिए बहुत अच्छा किया है। मुझे खुशी है कि उन्हें शरण दी गई। मुझे लगता है कि जब तक वह चाहें हमें उनका मेजबान बने रहना चाहिए, भले ही वह जीवन भर के

लिए ही क्यों न हों। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सच है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमला किया जा रहा है, लेकिन ऐसा ज्यादातर इसलिए हो रहा है क्योंकि वे हसीना के समर्थक हैं।इससे पहले अय्यर ने कहा कि पाकिस्तानी काफी हद तक भारतीयों की तरह हैं, लेकिन विभाजन की विभीषिका ने ही उन्हें एक अलग ही तरह का देश बना दिया। उन्होंने कहा कि एक तमिल के रूप में मुझमें और एक पंजाबी के रूप में मेरी पत्नी में और एक पाकिस्तानी पंजाबी की तुलना में कहीं अधिक अंतर है। इस दौरान उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि हमारे पास पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक करने की हिम्मत है लेकिन इस सरकार में उनके साथ टेबल पर बैठने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो आतंक फैलाता है लेकिन वह आतंक का शिकार भी है। पाकिस्तान ने सोचा था कि वे अफगानिस्तान में तालिबान को सत्ता में ला सकते हैं, (लेकिन) आज उनका सबसे बड़ा खतरा अफगानिस्तान में तालिबान है।इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी उपलब्धि यह सुनिश्चित करना था कि भारत ने जनरल मुशर्रफ द्वारा कश्मीर पर चार सूत्री समझौते के बारे में बैक चैनल पर पाकिस्तान से बात की। पूर्व पीएम ने यह भी दिखाया कि सैन्य सरकार के साथ व्यापारिक बातचीत संभव है। हमारे लिए यह आत्मघाती है कि हम पाकिस्तान को अल्बाट्रॉस की तरह अपने गले में लटकाए रखें। हमें उनसे वैसे ही बात करनी चाहिए जैसे मनमोहन सिंह ने कश्मीर के मुद्दे पर दिखाई थी।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी राफ्टिंग अभियान को दिखाई हरी झंडी, साहसिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अरुणाचल प्रदेश। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने ब्रह्मपुत्र नदी पर राफ्टिंग के ऐतिहासिक अभियान को हरी झंडी दिखाई। यह अभियान एक महीने तक चलेगा। इस अभियान एक ऐतिहासिक अभियान को हरी झंडी दिखाई। यह अभियान 14 जनवरी को अरुणाचल प्रदेश के गेलिंग से शुरू होगा और 14 फरवरी को असम के धुबरी-हातसिंगीमारी में समाप्त होगा। इस आयोजन

का मकसद साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना, पर्यावरण जागरूकता फैलाना और युवाओं को साहसिक खेलों में प्रेरित करना है।अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को ब्रह्मपुत्र नदी पर राफ्टिंग करने के लिए राष्ट्रीय पर्वतारोहण और साहसिक खेल संस्थान (एनआईएमएएस) की ओर से किया जा रहा है गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि यह अपनी तरह की पहली यात्रा है, जो ब्रह्मपुत्र नदी के 916 किलोमीटर की यात्रा करेगी। यह इसके सौंदर्य और चुनौतीपूर्ण रैपिड्स को प्रदर्शित करेगी। इस अभियान का उद्देश्य साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना, पर्यावरणीय जागरूकता को प्रोत्साहित करना और युवाओं को साहसिक खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।ईटानगर में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित कार्यक्रम में एनआईएमएएस के निदेशक कर्नल रणवीर सिंह जमवाल ने मुख्यमंत्री पेमा खांडू को इस अभियान के उद्देश्यों, चुनौतियों और अपेक्षित परिणामों के बारे में जानकारी दी। जमवाल एनआईएमएएस के उपाध्यक्ष भी हैं। मुख्यमंत्री ने पूरी टीम से बातचीत की, उन्हें शुभकामनाएं दीं और चुनौतीपूर्ण अभियान की सफलता के प्रति विश्वास व्यक्त किया।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

महाकुम्भ में सवा पाँच करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण, सवा पाँच करोड़ ओम नमःशिवाय महामंत्र का अखण्ड जाप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज/कुंभ नगर। आज दिनॉक 11.01.2025 को महामारूति-यज्ञ केअन्तर्गत पवित्र स्थल-सेक्टर -6, निकट-नागबासुकी मन्दिर,नेत्रकुम्भ चौराहा से दायीं ओर, गंगा घाट, महाकुम्मभ क्षेत्र,प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े पूजा अनुष्ठान (सवा पाँचकरोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण, सवा पाँच करोड़ ओम नमःशिवाय महामंत्र का अखण्ड जाप, काशी के विद्वान ब्राम्हणों द्वारा यजुवे दीय पाठ एवं महारूद्र पूजा हेतु श्री गणेश आवाहन,तैंतीस करोड़ देवी-देवता आवाहन, गंगा पूजन एवं पूथ्वी पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य आयोजन अशोक कुमार दूबे, अधिवक्ता उच्चव न्यायालय, इलाहाबाद विशेष आयोजक रॉबिन श्रीवास्तव, निदेशक - एडवोकेट्स एडवोकेट्स ए लॉ फर्म, श्रीमती मंजू सिंह, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय के इलाहाबाद तथा अन्य श्रद्धालुगणों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, जिसमें संकल्प के साथ ही साथ जनकल्याण हेतु महाकृम्म को अति दिव्य महाकुम्म एवं अतिभव्य भव्य महाकुम्भ को वनाने की कामना की गयी।

महाकुंभ में भंडारे के संदर्भ में हुई वेदिका फाउंडेशन की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज।महाकुंभ 2025 का आगाज 13 जनवरी 2025 से हो चुका है, जहाँ पर लगभग 50 करोड़ से ज़्यादा स्नानार्थियों के आने की उम्मीद बतायी जा रही है । समाजसेवा में कार्यरत बढ़ती हुई संस्था वेदिका फाउंडेशन की पहल के चलते महाकुंभ 2025 में हर हफ्ते भंडारे का आयोजन होना है , इसी संदर्भ में वेदिका फाउंडेशन के शीर्ष सदस्यों की बैठक संगम पैलेस में आयोजित हुई। इस बैठक में वेदिका फाउंडेशन के निदेशक सुधांशु शर्मा ,उप निदेशक श्रीकांत,महासचिव एडवोकेट प्रज्ञान सिंह, कोषाध्यक्ष प्रशांत सिंह ,पुनीत अरोड़ा, सौरभ शुक्ला,इंस्पेक्टर अमित पटेल एवं अजय गुप्ता आदि उपस्थित रहे ।

पाकिस्तान, कतर और यूएई समेत कई मुस्लिम देशों में दिखा महाकुंभ का क्रेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। गूगल ट्रेंडिंग के आंकड़े बता रहे हैं कि सात दिनों में इन देशों के अलावा नेपाल के लोगों ने सबसे अधिक महाकुंभ के बारे में सर्च किया है। हर 12 साल में

लगने वाला महाकुंभ का उत्सव दुनिया भर से करोड़ों भक्तों को आकर्षित कर रहा है। महाकुंभ मेले का क्रेज दुनिया के कई मुस्लिम देशों में भी दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान, कतर, यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन सहित अन्य देशों में महाकुंभ से संबंधित जानकारियां जुटाई जा रही हैं। गूगल ट्रेंडिंग के आंकड़े बता रहे हैं कि सात दिनों में इन देशों के अलावा नेपाल के लोगों ने सबसे अधिक महाकुंभ के बारे में सर्च किया है। हर 12 साल में लगने वाला महाकुंभ का उत्सव दुनिया भर से करोड़ों भक्तों को आकर्षित कर रहा है। ऐसे में विदेश में रहने वाले लोग महाकुंभ की जानकारी के लिए इंटरनेट का सहारा लिया है। इसमें लोगों ने 2025 महाकुंभ, महाकुंभ मेला, प्रयागराज महाकुंभ, महाकुंभ होटल, महाकुंभ नगरी, महाकुंभ लोकेशन, महाकुंभ प्रयागराज डेट, महाकुंभ का मेला, महाकुंभ बुकिंग, व्हॉट इज महाकुंभ, महाकुंभ कब है और खेल महाकुंभ समेत अन्य कई कीवर्ड नामों से जानकारियां जुटाईं।नेपाल, बहरीन, कतर, यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई), सिंगापुर, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, आयरलैंड, यूनाइटेड किंग्डम, नीदरलैंड, थाईलैंड, यूनाइटेड स्टेट्स (यूएस), जर्मनी, स्पेन और अन्य कई देश शामिल हैं। गुजरात, दादर और नगर हवेली, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, झारखंड, हरियाणा, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, ओडिशा, गोवा, पश्चिम बंगाल, असम, चंडीगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश आदि राज्यों में महाकुंभ को लेकर जानकारियां जुटाई गई हैं। महाकुंभ के संबंध में गुजरात के हिम्मत नगर में सबसे ज्यादा लोगों ने जानकारी जुटाई है। यह देश में सबसे अधिक है। इसके बाद प्रयागराज, अयोध्या, झिंझक, चित्रकूट, मिर्जापुर, किशनगंज, राजकोट, हिमाचल प्रदेश का ऊना समेत आदि शहर शामिल है। सीएम योगी ने डिजिटल महाकुंभ के संकल्प को लेकर विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ की वेबसाइट https://kumbhed.goved.in को छह अक्तूबर को लॉन्च किया था। चार जनवरी तक 183 देशों के 33 लाख पांच हजार 667 यूजर्स ने इस वेबसाइट पर आकर महाकुंभ के बारे में जानकारी हासिल की है।

संगम स्टेशन पर चार दिन यात्रियों के प्रवेश पर पाबंदी, एक साइड से प्रवेश तो दूसरे से होगी निकासी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन की तरह ही प्रयागराज छिवकी, नैनी जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ और सूबेदारगंज रेलवे

स्टेशन पर भी रविवार से यात्रियों को एक ओर से प्रवेश दिया जाएगा। जबकि, यहां ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों की निकासी संबंधित स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार से होगी। महाकुंभ के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा को लेकर शहर के रेलवे स्टेशनों पर रविवार से ही कई तरह की पाबंदियां लग जाएंगी। दारागंज स्थित प्रयागराज संगम स्टेशन पर 12 से 15 जनवरी तक यात्रियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यहां से चलने वाली ट्रेनों में बैठने के लिए प्रयाग स्टेशन जाना होगा। इसके अलावा प्रयागराज जंक्शन पर भी सिर्फ सिटी साइड से इंट्री दी जाएगी। जबकि, यहां ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों की निकासी सिविल लाइंस साइड से होगी। प्रयागराज जंक्शन की तरह ही प्रयागराज छिवकी, नैनी जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर भी रविवार से यात्रियों को एक ओर से प्रवेश दिया जाएगा। जबकि, यहां ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों की निकासी संबंधित स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार से होगी। यह पहला मौका है, जब प्रयागराज जंक्शन के अलावा शहर के सभी स्टेशनों पर आने व जाने का रास्ता अलग-अलग किया जा रहा है। ताकि, किसी भी स्टेशन पर यात्रियों का क्रास मूवमेंट न हो। इस दौरान स्टेशनों पर बनाए गए यात्री आश्रयस्थल से ही यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा उत्तर मध्य रेलवे के स्टेशनों की बात करें तो प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी एवं नैनी स्टेशन पर अलग-अलग दिशाओं में जाने वाले यात्रियों के लिए कलर थीम पर आश्रयस्थल बनाए गए हैं। उन्हीं के माध्यम से स्टेशनों पर यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा। खास बात यह है कि जिस रंग का यात्री आश्रयस्थल रहेगा, उसी रंग के टिकट भी यात्रियों को दिए जाएंगे। उदाहरण के लिए अगर किसी को प्रयागराज जंक्शन से कानपुर की ओर जाना है तो उसे हरे रंग के यात्री आश्रयस्थल संख्या चार में प्रवेश करना होगा। वहां से मिलने वाला जनरल टिकट भी हरे रंग की पट्टी का होगा। संबंधित प्लेटफॉर्म तक जाने वाले मार्ग में लगे संकेतक भी हरे रंग के ही होंगे।

रेती पर सजी विश्व की सबसे बड़ी तंबुओं की नगरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। वाहन चींटी चाल भी नहीं चल पा रहे थे। इसी के साथ मेला खिल उठा है। पौष पूर्णिमा (13 जनवरी) के प्रथम स्नान पर्व की डुबकी के लिए पूरा देश संगम की ओर रुख कर चुका है। रविवार से मास पर्यंत कल्पवास आरंभ होगा, लेकिन रेती पर बसने के लिए कल्पवासी शनिवार को दिन रात उमड़ते रहे। विश्व की सबसे बड़ी तंबुओं की नगरी संगम की रेती पर सज गई है। शनिवार को हर दिशाओं से प्रयागराज आने वाले मार्गों पर लाखों कल्पवासियों के वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कल्पवासियों का रेला उमड़ने से पांटून पुलों से लेकर सड़कों तक तिल रखने की जगह नहीं बची। वाहन चींटी चाल भी नहीं चल पा रहे थे। इसी के साथ मेला खिल उठा है। पौष पूर्णिमा (13 जनवरी) के प्रथम स्नान पर्व की डुबकी के लिए पूरा देश संगम की ओर रुख

कर चुका है। रविवार से मास पर्यंत कल्पवास आरंभ होगा, लेकिन रेती पर बसने के लिए कल्पवासी शनिवार को दिन रात उमड़ते रहे। पांटून पुलों से लेकर चकर्ड प्लेट मार्गों तक तिल रखने की जगह नहीं बची। इसी के साथ विश्व के सबसे बड़े आयोजन के रूप में महाकुंभ गुलजार हो गया।ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर महीने भर की गृहस्थी लेकर लोग शिविरों में पहुंचने लगे हैं। पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ मास पर्यंत जप, तप, ध्यान का मेला आरंभ हो जाएगा। इसके लिए देश-दुनिया से कल्पवासी परिवार के साथ निकल पड़े हैं। गोरखपुर के लाल बाबा पत्नी और थाईलैंड से आए पुत्रों के साथ पूरे साजो-सामान के साथ देर शाम सेक्टर-18 में लगे प्रधान तीर्थ पुरोहित डॉ. प्रकाशचंद्र मिश्रा के शिविर में पहुंचे। वहीं, देवरिया से राम रतन तिवारी, सुभाष पांडेय गृहस्थी के साथ लंबी मशक्कत के बाद देर रात अपने कल्पवासी शिविर में पहुंचे।इसी तरह जौनपुर, बलिया, देवरिया, आजमगढ़, वाराणसी, रीवा और बिलासपुर से काफी संख्या में कल्पवासी बांस, लकड़ी, पुआल के बीच गृहस्थी लादकर देर रात तक शिविरों में पहुंचते रहे। कल्पवासियों का कारवां चलने से पांटून पुलों से लेकर चकर्ड प्लेट मार्गों तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कल्पवासियों के आगमन के साथ ही रेती पर बसी विश्व की सबसे बड़ी और अद्भुत तंबुओं की नगरी गुलजार हो गई है। उधर, पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के लिए जहां मेला प्रशासन भी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है, वहीं कल्पवासी रेती पर अपनी गृहस्थी सजाने में जुट गए हैं। गंगा-यमुना के किनारे के स्नान घाटों से लेकर संगम की सर्कुलेटिंग एरिया में बिजली-पानी के इंतजामों को दिन भर दुरुस्त किया जाता रहा। चकर्ड प्लेटें पुलों से लेकर मार्गों तक दुरुस्त की जाती रहीं। मेला प्रशासन की ओर से पौष पूर्णिमा पर सात करोड़ से अधिक संतों, भक्तों, कल्पवासियों और अतिथियों का रेला उमड़ने का अनुमान है। सेंट्रल अस्पताल के अलावा हर सेक्टर में 20-20 बेड के अस्पताल बनाए गए हैं। महाकुंभ में आने वाले कल्पवासियों, श्रद्धालुओं के अलावा बसावट के काम में लगे मजदूरों और उनके परिवार वालों का इलाज भी शुरू हो गया है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE NAINI, ALLAHABAD कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्त्
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity ALL TYPE PRINTING SOLUTION

प्रदेश आस/पास

भारत

आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत पर करें गर्व योगी बोले- लेकिन विज्ञान से न रहें वंचित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। राष्ट्रीय युवा दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करें। लेकिन, खुद को विज्ञान से वंचित न रखें। यूपी की राजधानी लखनऊ में रविवार को स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने युवाओं को संबोधित किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि चुनौती जितनी बड़ी होगी, जीत उतनी ही खूबसूरत होगी। यह आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। सीएम ने कहा कि अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करें। लेकिन, खुद को आधुनिक ज्ञान और विज्ञान से वंचित न रखें।

पीआरडी जवानों को नए वर्ष का तोहफा, योगी सरकार ने दैनिक भत्ते में की इतनी बढ़ोतरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। सरकार की तरफ से पीआरडी जवानों को नए वर्ष का तोहफा मिला है। योगी सरकार ने दैनिक भत्ते में की करीब 26 फीसदी की बढ़ोतरी की है। साथ ही कई क्षेत्रों में सहयोग की अपील की है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तरफ से पीआरडी जवानों को नए वर्ष का तोहफा मिला है। इनके दैनिक भत्ते में करीब 26 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। अब इन्हें दैनिक भत्ते के रूप में 500 रुपये मिलेंगे। 35 हजार पीआरडी जवानों को इसका फायदा मिलेगा।साथ ही युवा मंगल दलों से नशे के कारोबार को समाप्त करने, स्वच्छता अभियान चलाने, खेलकूद की गतिविधियों को बढ़ावा देने, टीबी के रोगियों को चिन्हित करने में सहयोग की अपील की है।

पिता कैंची में देते हैं धार बेटी ने 5 मैचों में 11 गोल दागा; वाराणसी को फाइनल का टिकट दिलाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी और आगरा की टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन किया। दर्शक भी उनका मनोबल बढ़ाते दिखे। गोल पर गोल लगते ही लोग गर्मजोशी से तालियां बजा रहे थे। फाइनल में जाने की घोषणा होते ही लोग खुशी से झूम उठे।खेल निदेशालय यूपी की ओर से सीनियर महिला अंतर मंडलीय स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता के छठे दिन शनिवार को दो सेमीफाइनल मैच खेले गए। पहले मैच में वाराणसी ने मेरठ और दूसरे में आगरा ने आजमगढ़ को हराकर फाइनल में स्थान पक्का किया। ग्रीन पार्क स्टेडियम में वाराणसी और मेरठ के बीच मुकाबला हुआ। पहले हाफ में वाराणसी ने एक गोल किया। दूसरे हाफ में भी वाराणसी ने दो गोल कर मेरठ को 3-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बना ली। खुशी, अमृता व शालिनी ने एक-एक गोल दागे। अमृता मंडल की टॉप और क्लासी खिलाड़ी हैं। उनके पिता कैंची में धार देने का काम करते हैं। इस टूर्नामेंट में अमृता 5 मैच खेल कर 11 गोल दाग चुकी हैं। आजमगढ़ की रहने वाली कोच संगीता यादव भी खिलाड़ियों के साथ गई हैं। दूसरे सेमीफाइनल में आगरा ने आजमगढ़ को 1-0 से मात दी। आगरा की ओर से एक मात्र गोल प्रीति ने किया। रेफरी की भूमिका राशिद अहमद, महेश चंद्र, सपना झा, इफ्तिखार ने निभाई। रविवार को वाराणसी और आगरा के बीच फाइनल मैच होगा।

गलन के बीच बारिश की एंट्री, दिन में छाया अंधेरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। यूपी में गलन और ठिठुरन के बीच बारिश की एंट्री हो गई है। दिन में घना अंधेरा छाया रहा। मौसम विभाग ने 38 जिलों में वज्रपात और 37 में कोहरे की मार पड़ने की संभावना जताई है। यूपी में पूरब से पश्चिम तक ठंड का कहर बरकरार है। गलन भरी पछुआ और कोहरा इस हाड़ कंपाती ठंड में और इजाफा कर रहा है। वहीं ठंड भरे मौसम में बारिश की भी एंट्री हो गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार ही शनिवार की देर रात से मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। रविवार की सुबह होते ही कई इलाकों में अंधेरा छा गया। सुबह से ही पश्चिमी व सेंट्रल यूपी, अवध के क्षेत्र और तराई के इलाकों में बूंदाबादी देखने को मिली।मौसम विभाग ने रविवार सुबह से सोमवार सुबह के दौरान इन जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना जताई है।बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकरनगर व आसपास के इलाकों में वज्रपात होने की संभावना जताई है। गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, बाराबंकी, सहारनपुर, शामली,

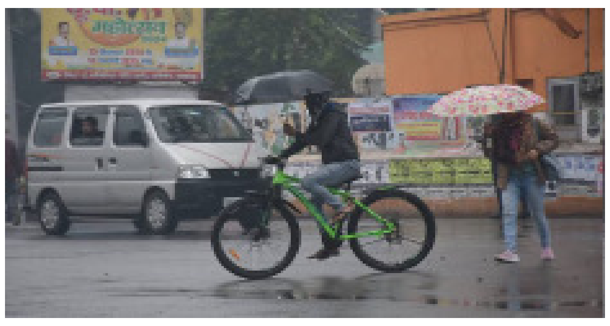

मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास इलाकों में घना कोहरा छाने की संभावना है।जिले में मौसम एक बार फिर बदल गया है। शनिवार को धूप निकलने के बाद रविवार को मौसम ने करवट ले लिया है। पछुआ हवाएं चलने के साथ ही आसमान में बादल छाए हुए हैं। इससे गलन बढ़ गई है। ऐसे में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन पर भी काफी असर पड़ रहा है।जिले में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। पूरे दिन आसमान में बदली रही और बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश हुई। इससे अधिकतम तापमान नीचे गिर गया। पाला गिरने की आशंका से किसान परेशान हैं। हवा का रुख बदलने से रविवार को मौसम बदल गया। अभी तक दिन में धूप निकलने से सर्दी कम पड़ रही थी तो रविवारवार को सुबह बूंदाबांदी होने से कुछ देर के लिए हल्की बारिश से दिन में गलन बढ़ गई। प रुक-रुक कर हो रही बूंदाबांदी से धुंध का भी असर रहा।जनवरी में सर्दी का मौसम पहेली सरीखा बना हुआ है। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से कम हो गया और न्यूनतम तापमान औसत से अधिक हो गया। जिस कारण मौसम पूरी तरह बदल गया। बदली छाई रहने के साथ बूंदाबांदी का सिलसिला पूरे दिन चलता रहा। उत्तर-पूर्व की हवा ने सर्दी के मौसम में बारिश की स्थिति उत्पन्न कर दी है। जिले में सुबह से बादल छाए हैं। बारिश के आसार हैं। सुबह 10 बजे न्यूनतम तापमान नौ डिग्री और अधिकतम 22 डिग्री रहा। जिले में भोर से ही आसमान पर बादल छाए है। बीच बीच में बूंदाबांदी भी हो रही है। कोहरे व धुंध के कारण ठंड काफी बढ़ गई है। ऐसे में लोग घरों में दुबकने को मजबूर देखे जा रहे है। जिले में मौसम का मिजाज आज रविवार को एक बार फिर बदल गया। विक्षोभ का असर होने से बारिश हो रही है और ठंड बढ़ गई है। इससे आलू व सरसों की फसल को नुकसान हुआ है। बारिश और ठंड के कारण दिनभर सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। सुबह से सर्द हवा चलने से लोग घरों में दुबके रहे। बारिश से सबसे अधिक सरसों की फसल को नुकसान पहुंचा है। आलू की फसल भी प्रभावित हुई है। क्षेत्र के हलोर, पुरासी, अलीपुर, कुशलगंज, कोटवा मोहम्मदाबाद, कक्केपुर, जमुरावां, मझिगवां, बारीगोहन्ना सहित आसपास के सभी गांवों की आलू व सरसों की फसल को रुक रुक कर हो रही बारिश नुकसान पहुंचा रही है। कृषि विभाग के मुताबिक बारिश से आलू और सरसों की फसल को नुकसान पहुंच सकता है। आलू में झुलसा और सरसों में माहू रोग लग सकता है।जिले में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। रविवार की सुबह से ही ठंड बढ़ गई है। सुबह के समय हल्की पानी की फुवारें पड़ी हैं। तेज हवाएं चल रही हैं। इसके कारण लोग ठंड से ठिठुरते हुए निकल रहे हैं।

सीएम योगी ने दिए निर्देश, संगम स्नान कराने के लिए सभी जिलों से चलेंगी 7000 बसें; 26 फरवरी तक होगा संचालन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। पूरे प्रदेश से महाकुंभ में स्नान करने वालों लोगों की सुविधा के लिए प्रदेश में सात हजार बसें चलाई जाएंगी। सीएम योगी ने यह निर्देश जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों को संगम स्नान के लिए सभी जिलों से बसें चलाने के निर्देश दिए हैं। वह शनिवार को उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ महाकुम्भ की तैयारी की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने कहा कि इन बसों का संचालन पूरे महाकुंभ यानि 26 फरवरी तक किया जाए। वहीं, परिवहन निगम ने सीएम को बताया कि प्रदेश के सभी जिलों से प्रयागराज के लिए 7000 बसों के संचालन की व्यवस्था की गई है।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि महाकुंभ के प्रमुख स्नान के अवसर पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएं। सीएम ने नशे में बस चलाने वाले चालकों और परिचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही निजी बस संचालकों द्वारा तय से अधिक किराये वसूलने पर भी कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। सीएम ने कहा कि महाकुंभ में आने वाले यात्रियों से अधिक किराए वसूली की शिकायतों पर फौरी तौर पर अंकुश लगाएं और किसी भी यात्री का आर्थिक दोहन न होने पाए। बैठक में सीएम को महाकुंभ के लिए बसों के संचालन के साथ ही बसों में यात्रियों की सुरक्षा के संबंध में की गई व्यवस्था की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रयागराज शहर के भीतर और मेला क्षेत्र तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए 550 शटल बसें भी चलाई जा रही हैं। बैठक में परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह सहित परिवहन निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

रवि किशन ने कहा- 'जब हम सुपरस्टार बने थे घमंड आ गया था- गरीबी से आए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। कहा- बिचवा में जब हम नया-नया सुपर स्टार बने थे, तो तनि घमंड आ गया था। गरीबी से आए, पैसा पाए तनि बौराए..तब अचानक एक मंत्र याद आता हम श्नमसान के पास खड़े थे कि सर्वे भी तू..सर्वा भी तू..जीवन भी तू..मृत्यु तू..जब किसी जमाने में हमें घमंड आ चुका था। युवाओं से अपील की मेहनत करें, सफल हों, लेकिन घमंड में कभी न आएं। सबको प्यार करें, सबका सम्मान करें। गोरखपुर महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को भोजपुरी नाइट में रितेश पांडेय और राधा श्रीवास्तव ने अपने गीतों से जमकर धमाल मचाया। रितेश ने सांसद रविकिशन संग जैसे ही ''भोला बाबा बम भोला बाबा'' गीत सुनाया तो दर्शक भी गुनगुनाते हुए झूमने लगे। इस दौरान मंच पर सांसद रवि किशन भी थे। उन्होंने युवाओं को सीख दी। अपने अनुभव साझा किए। बताया कि हम मनुष्य हैं। राख मिट्टी के हैं। बताया कि कभी भी घमंड आए तो गुमान नहीं करना चाहिए। कहा- बिचवा में जब हम नया-नया सुपर स्टार बने थे, तो तनि घमंड आ गया था। गरीबी से आए, पैसा पाए तनि बौराए..तब अचानक एक मंत्र याद आता हम श्नमसान के पास खड़े थे कि सर्वे भी तू..सर्वा भी तू..जीवन भी तू..मृत्यु तू..जब किसी जमाने में हमें घमंड आ चुका था।देता तू. लेता तू..सत्य तू असत्य हम, भगवन तू, मनुष्य हम, शिव तू, सुंदर तू, शक्ति तू, सबकुछ तू, मैं कुछ नहीं, भगवन तू, मैं कुछ नहीं, जीवन तू, मैं कुछ नहीं, नमः पार्वती पतये हर हर महादेव। इसके बाद रितेश ने सांसद रविकिशन संग जैसे ही ''भोला बाबा बम भोला बाबा'' गीत सुनाया तो दर्शक भी गुनगुनाते हुए झूमने लगे। इसके बाद ''गोरी तोरी चुनरी बा लाल-लाल रे'' सुनाकर दर्शकों को झूमने को मजबूर कर दिया।सांसद मंच पर चढ़े और फिर रितेश ''ओम नमः शिवाय'' व ''भोला बाबा बम भोला बाबा'' भजन पर सबको नचाया। इसके बाद अपना सुपरहिट गाना ''जा ये चंदा ले आव खबरिया'' सुनाकर विरह का माहौल बनाया।

इटावा में प्रतियोगिता, वाराणसी की तनु, सोनल ने मिर्जापुर की डिफेंस लाइन की ध्वस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी में विभिन्न स्थानों और निजी संस्थाओं में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जीते हुए प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। वहीं, अन्य खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया। मंडल की सब जूनियर बालिका हॉकी टीम ने प्रादेशिक सब जूनियर बालिका की रुबी ने गोल स्कोर 1-1 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में वाराणसी की टीम ने रणनीति में बदलाव किया। सातवें मिनट में यशस्वी पांडेय और स्मृति चौबे ने मिर्जापुर के गोलपोस्ट पर कई हमले किए। इसी बीच खिलाड़ियों के बीच गैप का फायदा उठाते हुए दूसरे हाफ के 42वें मिनट में तनु के पास पर

हॉकी प्रतियोगिता में मिर्जापुर मंडल को 2-1 से पराजित किया। प्रतियोगिता में तनु और सोनल के गोल से वाराणसी मंडल ने जीत का स्वाद चखा। तनु को बेस्ट प्लेयर घोषित किया गया। इटावा में खेले गए मैच में तनु ने पहले ही मिनट में बाईं छोर से मिर्जापुर की डिफेंस लाइन को चकमा देते हुए गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। एक गोल से पीछे होने के बाद मिर्जापुर की टीम ने स्कोर बराबर करने का प्रयास किया। हर बार वाराणसी की गोलकीपर फरीदा ने शानदार बचाव किया। पहले क्वार्टर में स्कोर 1-0 रहा। दूसरे क्वार्टर में वाराणसी की शिवानी सिंह और आकांक्षा पटेल ने अच्छे मूव बनाए। एक बार तो तेज शॉट गोल पोस्ट से टकरा कर बाहर चला गया। तीसरे क्वार्टर में बाल अधिकतर समय बीच मैदान में रही। दोनों ही टीमों ने छोटे-छोटे पास के सहारे खेला। मिर्जापुर सोनल ने तेज जमीनी शॉर्ट खेलकर गोल किया और वाराणसी मंडल को 2-1 से जीत दिलाई। मैनेजर अंकित गुप्ता ने बताया कि 12 जनवरी को अयोध्या मंडल से मुकाबला होगा।पार्वती वेलफेयर सोसाइटी की ओर से फुटबॉल प्रीमियर लीग सिगरा स्टेडियम में 19 से 26 जनवरी तक खेली जाएगी। बालक वर्ग में छह टीमों के 96 खिलाड़ियों की बोली लगाई जाएगी। छह फेंचाइजी के अधिकारी शनिवार को काशी पहुंच गए। आयोजन सचिव महेंद्र गुप्ता ने बताया कि बालिका वर्ग की तीन टीमों को वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। बालक वर्ग में 96 और बालिका में 48 खिलाड़ी खेलेंगे। शुरुआती 12 मुकाबले लीग के आधार पर होंगे। प्रशिक्षण शिविर 14 से 18 जनवरी तक लगेगा। प्रतियोगिता यूपी फुटबॉल संघ से संबद्ध है।

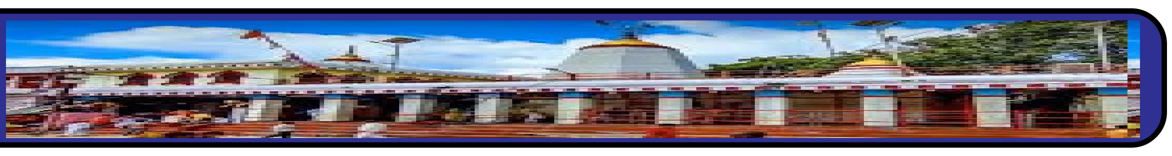

नर सेवा नारायण सेवा ने इस 61वें शनिवार को खिचड़ी वितरण के साथ हजारों गरीबों को किया कंबल वितरित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चोपन/ सोनभद्र। नर सेवा नारायण सेवा द्वारा मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए प्रत्येक शनिवार को निःशुल्क खिचड़ी वितरण किया जाता है। इसी क्रम में 61वें शनिवार को अपने चिन्हित स्थान पत्रकार संघ कार्यालय पर सर्वप्रथम हनुमान जी को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया तत्पश्चात आर्य समाज स्कूल, चोपन में बढ़ती ठंड को देखते हुए पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी बृहद पैमाने पर लगभग 2000 पात्र गरीबों को कंबल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य में दूर दराज तथा आस पास के क्षेत्रों से आए गरीब और जरूरतमंद लोग भी शामिल हुए। कंबल वितरण के साथ ही लोगों को खिचड़ी भी परोसी गई। इस कार्य को सफल बनाने के लिए नर सेवा नारायण सेवा की पूरी टीम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक योगदान दिया। टीम के सदस्यों ने कहा कि समाज के जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची मानवता है। ऐसे कार्यों के माध्यम से हम समाज के वंचित वर्ग की मदद कर सकते हैं। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की भरपूर सराहना की। इस सेवा कार्य से लाभान्वित लोग काफी खुश और संतुष्ट नजर आए। संस्था ने इस मौके पर सभी से अपील की कि वे भी जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। नर सेवा नारायण सेवा अपनी नियमित सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज में मानवीय मूल्यों और सद्भावना का संदेश फैला रही है। वहीं नर सेवा नारायण सेवा के आयोजक मनोज चौबे ने आये हुए समस्त अतिथियों का अंगवस्त्र देकर सम्मान करते हुए सफल आयोजन को लेकर सभी सहयोगियों एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया संचालन श्यामाचरण गिरी एवं दिव्य विकास सिंह विट्ठू ने किया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजा मिश्रा, चेयरमैन उस्मान अली, पूर्व जिला अध्यक्ष अध्यक्ष अनिल यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, व्यासमुनी पाण्डेय, नवल किशोर चौबे, प्रदीप अग्रवाल, डॉ बृजेश सिंह, अधिवक्ता अमित सिंह, रजनीकांत सिंह, सत्यप्रकाश तिवारी, दिनेश पाण्डेय, रामदुलारे खरवार, दया सिंह, जगमंदर अग्रवाल, अजय गोयल, मनीष सिंह, पूर्व चेयरमैन विजय अग्रहरी, सोनी रावत, हेमलता, धर्मशीला देवी, जितू सिंह, सद्दाम कुरैशी, गोलू सोनकर, बबलू सोनी, मुकेश जैन, नजमुद्दीन इद्रीशी, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। वहीं शांति व्यवस्था को लेकर प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया, कस्बा इंचार्ज उमा शंकर यादव मयफोर्स मौजूद रहे।

खिचड़ी का समान बेचने वालो को कनेक्शन देकर दर्जनों दुकानो से मोटी कमाई की जारही है घर के मालिक के द्वारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आगामी आने वाले खिचड़ी पर्व को लेकर मोटी कमाई का जरिया बना बिजली कनेक्शन बता दें कि ने नाम ना बताने को लेकर बताया कि किसी ठेले वाले से 2000 तो किसी से 3000 किसी से 5000 का सौदे पर दर्जनों लोगों को रावटसगंज कस्बा नगर में खिचड़ी पर को लेकर जगह-जगह दुकान लगाई गई है जिसमें बिजली कनेक्शन के लिए एक घर मालिक स्वामी द्वारा दर्जनों दुकानों पर कनेक्शन देकर मोटी कमाई का जरिया बनाया गया है वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों का आवागमन होने के बावजूद भी कोई कार्रवाई ना करते हुए आम जन में रोज है वहीं आसपास के रह वासियों कनेक्शन लेकर मोटी कमाई का जरिया बना खिचड़ी का पर्व बता दे कि इस तरह से पूरे नगर में मकड़ जाल फैला है जिससे कि लाखों की कमाई हफ्ते महीने दिन में मकान मालिक घर बैठे कमाने का बने जरिया। मामले में एसडीओ कृपा शंकर यादव ने बताया कि जेई को अवगत करा दिया जा रहा है जल्द से जल्द टीम बनाकर जांच करते हुए संबंधित जांच व कार्रवाई करें।

थाना माँची पुलिस को मिली सफलता, 02 नफर पशु तस्करों को किया गिरफ्तार, जंगल के रास्ते से बिहार ले जा रहे कुल 06 राशि गोवंश बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों व गौ-तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना मांची पुलिस द्वारा दिनांक 10.01.2025 को थाना क्षेत्र कजियारी मोड़ ग्राम सुअरसोतखुर्द से ग्राम बाके होते हुए जंगल के रास्ते बिहार ले जा रहे 06 राशि गोवंश के साथ 02 नफर अभियुक्तों 01. राकेश यादव पुत्र बुटाई यादव ग्राम बड़गांवकला थाना अधौरा जनपद कैमूर भभुआ बिहार उम्र करीब 30 वर्ष 02. प्रेमनारायण प्रजापति पुत्र रामदुलारे प्रजापति निवासी कजियारी थाना माँची सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष को गिरफ्तार किया गया उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना माँची पर मु0अ0सं0-02/2025 धारा 3/5ए/8 गो-वध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया है। अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।**गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-** 01. राकेश यादव पुत्र बुटाई यादव ग्राम बड़गांवकला थाना अधौरा जनपद कैमूर भभुआ बिहार उम्र करीब 30 वर्ष । 02. प्रेमनारायण प्रजापति पुत्र रामदुलारे प्रजापति निवासी कजियारी थाना माँची सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष **बरामदगी का विवरण-** 06 राशि गौवंश । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 01. उ0 नि0 रामनयन यादव चौकी सुअरसोत थाना माँची जनपद सोनभद्र 02. हे0 का0 सुमन्त कुमार चौकी सुअरसोत थाना माँची जनपद सोनभद्र 03. का0 हिमांशु सोनकर चौकी सुअरसोत थाना माँची जनपद सोनभद्र।

सरकार की दुहाई तो करते हैं कोटेदार कोटेदार की दवाई होगी कब सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कोटेदार सघ अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया की उठी मांग की अन्य प्रदेशों की तरह हमारे प्रदेश में भी कमीशन?200 प्रति कुंतल किया जाए और गुजरात में ?20000 गारंटी मिनिमम के रूप में मानदेय दिया जाता है वह उत्तर प्रदेश में भी लागू किया जाए जिससे कोटेदार के परिवार का बच्चों का पालन पोषण और पढ़ाई लिखाई सही तरीके से चल सके । जब सरकार को चुनाव लड़ना होता है तो ग्राम पंचायत के नगर के कोटेदारों को अपना फोटो छपवाकर झोले पर संदेश पत्र पर वितरित कोटेदार के द्वारा कार्ड धारको के मध्य कराया जाता है जिससे कि उनकी सरकार का प्रचार प्रसार हो सके और उनकी सरकार बने। इस भूमिका में सरकार को बनाने के लिए कोटेदार एक कड़ी है लेकिन सरकार उसके साथ सौतेला व्यवहार कर रही है । पीड़ित कोटेदारो ने बताया कि हमारे इस मांग को कई सालों से लंबित रखा गया है जिसको सरकार सुनने के लिए तैयार नहीं है तो हम लोग मौजूद सरकार का विरोध प्रदर्शन करने की आवाज में बाएं हाथ पर काली पट्टी बांधकर खदान का वितरण कर पूरे जनपद में चल रहा है जनपद ही नहीं पूरे प्रदेश में चल रहा है और प्रदेश की नहीं पूरे भारत में राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है ।

जनपद के समस्त थानों पर आयोजित किया गया थाना समाधान दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा थाना चोपन पर तथा समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल क्षेत्र में सुनी गयी फरियादियों की समस्याएं थाना समाधान दिवस पर जनपद में प्राप्त कुल 136 प्रार्थना पत्रों में से कुल 74 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीमों द्वारा गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु दिए गए निर्देश जनपद के समस्त थानों पर ठथाना समाधान दिवसठ का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना चोपन पर तथा समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल क्षेत्र पर आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इसी क्रम में समस्त थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने थानों पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। इसी के साथ यह भी निर्देश दिया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । जनपद में पुलिस से सम्बन्धित प्राप्त कुल 14 प्रार्थना पत्रों में से 10 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण तथा राजस्व से सम्बन्धित कुल 122 प्रार्थना पत्रों में से 64 का मौके पर ही निस्तारण किया गया (इस प्रकार कुल 136 प्रार्थना पत्रों में से 74 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया) जबकि शेष बचे प्रार्थना पत्रों का निस्तारण आवश्यकतानुसार कार्रवाई कर शीघ्र निस्तारण किया जायेगा ।

पुण्यस्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नगर द्वारा शनिवार को नगर स्थित स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता मारवाड़ी युवा संघ की अध्यक्षा प्रतिभा कनोडिया, विशिष्ट अतिथि जिला संघ चालक हर्ष अग्रवाल तथा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता काशी प्रांत के प्रांत संघ चालक अंगराज रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम मंचासीन अतिथिगण द्वारा पुण्यस्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किया तत्पश्चात एकल गीत के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुण्यस्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म वर्ष 31 मई 1725 को महाराष्ट्र राज्य के चौंढी नामक गांव (जामखेड, अहमदनगर) में हुआ था। वह एक सामान्य से किसान की पुत्री थी। वह इंदौर राज्य की पुत्रवधू थी तथा परम शिव भक्त थी उन्होंने टकसाल बनवाया जिस पर शिव भगवान व नंदी ग्राम चित्र छपा था। राज्य की संपूर्ण प्रजा उन्हें देवी कहकर पुकारती थी। सती प्रथा का उन्होंने विरोध किया था और बद्रीनाथ से रामेश्वरम द्वारिका नाथ भुवनेश्वर तक सभी तीर्थ धर्मशाला का पुनर्निर्माण किया । वह न्याय प्रिय थी। उन्होंने कानून में परिवर्तन किया और विधवा स्त्रियों के संपत्ति उनको देने का निर्णय किया। उनके अंदर स्वदेशी का भाव था। उद्योग के प्रति उन्होंने काफी ध्यान दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह महिलाओं से मिलकर चलवाया तथा अपने निजी कोष को से भी स्वयं सहायता समूह चलाया। कर का निर्धारण कराया तथा कर की वसूली करने के लिए सरलीकरण नियम बनाया उन्होंने प्रशस्ति पत्र स्वीकार नहीं किया और प्रशस्ति पत्र को नर्मदा नदी में प्रवाहित कर दिया। उनको हमेशा से एक बहादुर, आत्मनिष्ठ, निडर महिला के रूप में याद किया जाता है। ये अपने समय की सर्वश्रेष्ठ योद्धा रानियों में से एक थीं, जो अपनी प्रजा की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती थीं. इतना ही नहीं उनके शासन काल में मराठा मालवा साम्राज्य ने काफी ज्यादा नाम कमाया था।जनहित के लिए काम करने वाली महारानी ने कई हिंदू मंदिर का निर्माण भी करवाया था, जो आज भी पूजे जाते हैं। कुशल प्रशासन एवं रणचंडी के रूप में लगातार 30 वर्ष तक शासन किया। माता अहिल्याबाई की न्याय प्रियता ,कार्य कुशलता, कुशल प्रशासक व समाजसेवा और उनके चारित्रिक गुणो को जन-जन तक पहुंचना चाहिए। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला कार्यवाह बृजेश सिंह सिंह ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्रीमान उपेंद्र ,जिला प्रचारक राहुल, संयोजक नीरज, नगर कार्यवाह महेश, व्यवस्था प्रमुख कीर्तन, प्रचार प्रमुख नीरज, कृष्ण प्रताप, कृष्ण कुमार, संगम ,प्रमोद ,कृष्ण मुरारी गुप्ता,बलराम सोनी, अखिलेश,चित्रा जालान, पुष्पा सिंह आदि उपस्थित रहे।

136 प्रार्थना पत्रों में से कुल 74 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही हुए निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शनिवार को जनपद के समस्त थानों पर ठथाना समाधान दिवसठ का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना चोपन पर तथा समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल क्षेत्र पर आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इसी क्रम में समस्त थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने थानों पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। इसी के साथ यह भी निर्देश दिया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । जनपद में पुलिस से सम्बन्धित प्राप्त कुल 14 प्रार्थना पत्रों में से 10 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण तथा राजस्व से सम्बन्धित कुल 122 प्रार्थना पत्रों में से 64 का मौके पर ही निस्तारण किया गया (इस प्रकार कुल 136 प्रार्थना पत्रों में से 74 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया) जबकि शेष बचे प्रार्थना पत्रों का निस्तारण आवश्यकतानुसार कार्रवाई कर शीघ्र निस्तारण किया जायेगा ।

काश लहू का इक इक कतरा भारत मां के काम आये

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नवप्रवाह साहित्यिक मंच सोनभद्र के तत्वावधान में तृतीय समागम के अवसर पर लोहरा सुकृत में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन रविवार दिन में भव्य दिव्य ढंग से संपन्न हुआ।सभीं कवियों को अंगवस्त्र लेखनी पुस्तिका प्रतीक चिन्ह देकर जहां अभिनंदन किया गया वहीं बाबू जगदेव प्रसाद युवा गौरव सम्मान शायर शारिक मखदूम फूलपुरी प्रयागराज को दिया गया तो वहीं महात्मा ज्योतिबा फुले साहित्य सम्मान इंजीनियर रामनरेश नरेश वाराणसी को दिया गया। आयोजन की अध्यक्षता शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के निदेशक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट वरिष्ठ साहित्यकार ने किया तो वहीं सफल संचालन नाथ सोनांचली ने किया। वंदना संस्था प्रमुख गोपाल कुशवाहा शिक्षक ने किया । दीपदान माल्यार्पण पश्चात विधिवत आयोजन का आगाज हुआ। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने मीरा मोहन की प्रीत लिख देना सबके होंठों पे गीत लिख देना मार मादक मगन वियोगी मन साथ साजन हो जीत लिख देना बसंत को समर्पित श्रंगार की पंक्ति तो वहीं,,काश लहू का इक इक कतरा भारत मां के काम आये सुनाया और वाहवाही लूटी।प्रमोद सिंह निर्मल ने भूल कर भी न देना एटीएम का पिन उसको, वर्ना वो लड़की कंगाल बनाकर छोड़ेगी सुनाया और हंसाते रहे। राहुल सिंह कुशवाहा प्रवाह ने ,उनकी आंखों में पानी नहीं चाहिए,याद ऐसी भी आनी नहीं चाहिए।शारिक मखदूम फूलपुरी ने शायरी, मिलन के वास्ते बेताब है दिल अब तो आ जाओ सुनाया और सराहे गये।डा, छोटेलाल सिंह मनमीत वाराणसी ने , न्याय बिकने लगा जाके दरबार में,लिखने वालों की जब कलम सो गई सुनाया और संवेदना को मुखर किये। म्योरपुर से पधारे यथार्थ विष्णु ने, ना राजा का लड़का हूं मैं ना उद्यम व्यापार, मैं गीतों का राजकुमार सुनाया और गतिज ऊर्जा देकर पूरे वातावरण को रसमय बनाये। अहरौरा से पधारे नरसिंह साहसी तथा जयराम सोनी सोनभद्र ने अपनी कविता वह हंसगुल्ले से देर तक लोगों को हंसाते रहे। कवयित्री अलका आरिया व सुशीला वर्मा एडवोकेट ने अपने गीत ग़ज़लों से पूरे लोगों को खुश कर दिया और सराही गई। हृदय नारायण हेहर हास्य व्यंग सुनाकर श्रोताओं को खूब पसंद आए उनकी रचना,जहर भइल जिनगी के पौधा पात पात मुरझाइल जाता।जतने होता दुआ दवाई ओतने रोग बढ़ियाइल जाता सुनाकर यथार्थ का चित्रण किया। वाराणसी से पधारे वरिष्ठ कवि सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध ने बेटियों को समर्पित रचना दो कुल की पहचान बेटियां गुलशन की हैं शान बेटियां सुनाया और करुण रस का संचार किया शमां बांध दिये । रामनरेश नरेश वाराणसी ने मोहन गिरधारी घनश्याम ऐसा दो हमको वरदान सबके रोम रोम से निकलें मेरा प्यारा हिंदुस्तान तथा चार दिन की बची जिंदगी रह गई ख्वाहिशों में दबी ही खुशी रह गई तो वहीं सुजीन्द्र साहिल ने संवेदना की पंक्ति जिंदा आदमी अब कहां क्षुधा है धधकी तेरे पिता हैं भूखे लाचार मां है कहती सुनाये। वरिष्ठ साहित्यकार हरिवंश बवाल चंदौली ने मुखर स्वर,,जो कहता है किसी से मेरी दुश्मनी नहीं,मेरा दावा है कि वो किसी से दोस्ती भी कर नहीं सकता सुनाकर गंभीर रचना से माहौल को ऊंचाई दिये। आयोजन के मुख्य अतिथि डा,एस के सिंह विशिष्ट अतिथि राजाराम सिंह रहे। राधेश्याम पाल श्याम व गोपाल कुशवाहा ने अपनी रचना से लोगों के दिल को छू लिया और सराहे गये।इस अवसर पर सत्यप्रकाश कुशवाहा एडवोकेट चंद्रप्रकाश एडवोकेट कमलेश सिंह एडवोकेट पारसनाथ मौर्य बृजेश कुमार मौर्य सिद्धार्थ वर्धन यशवंत सिंह मौर्य कमलेश यादव नंदलाल पटेल जगदीश यादव फारुख अली हाशमी रिषभ त्रिपाठी दिनेश कुमार सहित सैकड़ों लोग देर शाम तक जमे रहे। आभार संस्था के संयोजक राधेश्याम पाल श्याम ने व्यक्त किया ।

प्रियंका नहीं आंधी है, देश की इंदिरा गांधी है-आशु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव/सांसद प्रियंका गांधी का जन्म दिवस है आज उनके जन्मदिन के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने जिला हॉस्पिटल सोनभद्र में जाकर मरीजों को फल वितरित कर उनके लंबी उम्र की कामना की , आशु दुबे ने कहा कि प्रियंका दीदी दलित,आदिवासी, अल्पसंख्यक ,पिछड़े ,आम जनमानस सब की आवाज हैं यह कहना कत्तई गलत नहीं होगा कि देश की आवाज प्रियंका गांधी है , यही कारण हैं की आज हिंदुस्तान उनको इंदिरा गांधी के रूप में देख रहा है, जिस प्रकार त्वरीत निर्णय लेने में हमारे देश की पूर्व- प्रधानमंत्री/ आयरन लेडी स्व0 इंदिरा गांधी जी थी , उसी प्रकार से प्रियंका दीदी भी है , इसीलिए कहा भी गया है कि ठ प्रियंका नहीं आंधी है - देश की इंदिरा गांधी है ठ जहां तक सोनभद्र का सवाल है यहां पर घोरावल ऊम्भा की घटना में सर्वप्रथम अगर आदिवासियों की आवाज किसी ने सुना तो ये कहना कत्तई गलत नहीं होगा की वह कांग्रेस पार्टी प्रियंका गांधी ने सुना और हमारे आदिवासी भाइयों की आवाज बनकर उनकी लड़ाई लड़ी , जिसमें उन्हें चुनार किले में भी नजर बंद भी रखा गया लेकिन फिर भी उन्होंने उनकी लड़ाई लड़कर और हर संभव मदद करने की कोशिश कांग्रेस पार्टी ने किया हम आज के दिन उनकी लंबी उम्र की कामना करते हैं और यह आशा रखते हैं कि उनका आशीर्वाद हम सभी हमेशा बना रहेगा । मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा, जगदीश वर्मा, सुशील राव, दयाराम प्रजापति,अयोध्या भारती रहे ।

स्पोर्ट्स

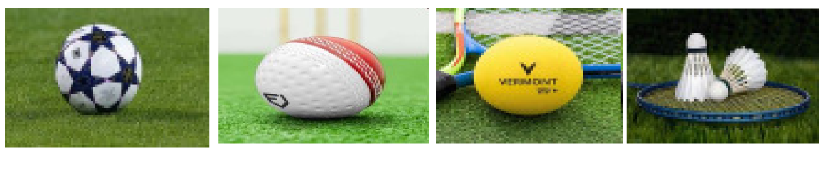

मोहम्मद शमी 26 महीने बाद टी20 में करेंगे वापसी, घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के लिए टीम में शामिल किया है। वह 26 महीने बाद भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते नजर आएंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम का एलान हो गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के लिए टीम में शामिल किया है। वह 26 महीने बाद भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते नजर आएंगे। शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान वह चोटिल हो गए थे जिसके बाद उनकी साल 2024 की शुरुआत में टखने की सर्जरी हुई थी। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी की। बीच में खबर आई थी कि तेज गेंदबाज बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। हालांकि, फिटनेस संबंधी कारणों से ऐसा संभव नहीं हो सका। अब शमी को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय स्क्वॉड का हिस्सा बनाया गया है। पिछले साल सर्जरी के बाद 34 वर्षीय गेंदबाज ने नवंबर में घरेलू क्रिकेट में खेलना शुरू किया था। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के लिए सभी नौ टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 7.85 के इकोनॉमी रेट से 11 विकेट हासिल किए। वहीं, विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने सात में से सिर्फ तीन मैच ही खेले और मात्र तीन ही विकेट ले सके। इसके बाद शमी पैर में सूजन के कारण इस टूर्नामेंट बाहर हो गए थे। शमी को आखिरी बार टी20 विश्व कप 2022 में इस प्रारूप में खेलते देखा गया था। इसके बाद से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई टी20 मैच नहीं खेला है। शमी के नाम 23 टी20 मैचों में 24 विकेट दर्ज हैं। चोट से उबरने के बाद शमी ने घरेलू टी20 क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया जिसका इनाम अब उन्हें मिला है। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज के अलावा तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी, जिसके लिए अब तक भारतीय टीम का एलान नहीं किया गया है। उम्मीद है कि अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी को 50 ओवर प्रारूप के लिए चुने जाने वाले स्क्वॉड का हिस्सा बनाया जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई जाएगी। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से पहले शमी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से खुद को साबित करना होगा। भारत के लिए खेले 101 वनडे मैच में उनके नाम 195 विकेट दर्ज हैं।

पीसीबी को भारत के खिलाफ मैच तक सईम के फिट होने का भरोसा, चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर फैसला जल्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण का मुकाबला खेला जाएगा। सईम को लंदन के दो मशहूर आर्थो सर्जन डॉक्टर डेविड रेडफर्न और डॉक्टर लकी जेयासीलान ने देखा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भरोसा है कि बल्लेबाज सईम अयूब भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले तक फिट हो जाएंगे। सईम ने शनिवार को टखने की चोट के लिए लंदन के आर्थोपीडिक सर्जन से चेकअप करा दिया है। सईम इस आईसीसी टूर्नामेंट तक फिट हो पाएंगे या नहीं इसका पता एक सप्ताह बाद ही चल सकेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण का मुकाबला खेला जाएगा। सईम को लंदन के दो मशहूर आर्थो सर्जन डॉक्टर डेविड रेडफर्न और डॉक्टर लकी जेयासीलान ने देखा है। सईम के करीबी सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि वह 23 फरवरी को दुबई में भारत के खिलाफ होने वाले मैच तक फिट हो जाएं। सूत्र ने कहा, 'अगर डॉक्टर कहते भी है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में 19 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के पहले मैच तक फिट नहीं होते, लेकिन भारत के खिलाफ मैच तक फिट हो जाएंगे तो चयनकर्ता और पीसीबी जोखिम उठाने को तैयार हैं।' पीसीबी को विशेषज्ञों की रिपोर्ट अगले सप्ताह तक मिलेगी लेकिन प्रारंभिक चेकअप में किसी सर्जरी की जरूरत से इन्कार किया गया है। अयूब को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान टखने में चोट लग गई थी जिस कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था।

शाश्वत की पारी पर भारी पड़ा पडिक्कल का शतक, कर्नाटक सेमीफाइनल में; महाराष्ट्र भी जीता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कर्नाटक को मिली जीत में पडिक्कल के अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की भूमिका भी अहम रही। पडिक्कल ने जहां घरेलू क्रिकेट में वापसी पर चमक बिखेरी, वहीं प्रसिद्ध के डेथ ओवरों में शानदार स्पैल की मदद से कर्नाटक ने बड़ौदा पर रोमांचक जीत दर्ज की। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र ने पंजाब को 70 रनों से हराकर अंतिम चार में प्रवेश कर लिया। सलामी बल्लेबाज शाश्वत रावत की शानदार शतकीय पारी भी बड़ौदा को कर्नाटक के खिलाफ जीत नहीं दिला सकी और मयंक अग्रवाल की टीम ने पांच रन से मुकाबला जीतकर विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। कर्नाटक ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए देवदत्त पडिक्कल के 102 रन और अनीश केवी के 52 रनों की मदद से 50 ओवर में आठ विकेट पर 281 रन बनाए। जवाब में बड़ौदा के लिए शाश्वत ने 104 रन की पारी खेली, लेकिन टीम 49.5 ओवर में 276 रन पर ऑलआउट हो गई। कर्नाटक को मिली जीत में पडिक्कल के अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की भूमिका भी अहम रही। पडिक्कल ने जहां घरेलू क्रिकेट में वापसी पर चमक बिखेरी, वहीं प्रसिद्ध के डेथ ओवरों में शानदार स्पैल की मदद से कर्नाटक ने बड़ौदा पर रोमांचक जीत दर्ज की। शाश्वत के शतक से बड़ौदा जीत की ओर बढ़ता दिख रहा था और आखिरी पांच ओवर में उसे 44 रन ही चाहिए थे। प्रसिद्ध कृष्णा ने हालांकि 47वें ओवर में दो विकेट लेकर मैच का रूख बदल दिया। उन्होंने पहले रावत को विकेट के पीछे लपकवाया और पांचवीं गेंद पर महेश पिठिया को पवेलियन भेजा। बड़ौदा को आखिरी ओवर में 12 रन चाहिए थे और उसके दो विकेट बाकी थे, लेकिन राज लिम्बानी और भार्गव भट्ट चार गेंद के भीतर ही रन आउट हो गए। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र ने पंजाब को 70 रनों से हराकर अंतिम चार में प्रवेश कर लिया। युवा अर्शिन कुलकर्णी ने लिस्ट ए क्रिकेट में पहला शतक जमाया और 107 रनों की पारी खेली, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज नितिन नाईक के 29 गेंदों पर आक्रामक नाबाद अर्धशतक से महाराष्ट्र ने पंजाब पर शानदार जीत दर्ज की। महाराष्ट्र की जीत में अंकित बावने ने भी योगदान दिया और 60 रन बनाए। अर्शिन और बावने के बीच तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। महाराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 275 रन बनाए। पंजाब के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने प्रभावित किया और तीन विकेट झटके, लेकिन उनकी मेहनत बेकार गई क्योंकि लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम 44.4 ओवर में 205 रन पर ऑलआउट हो गई।

कब होगी ईशान किशन की वापसी इंग्लैंड के खिलाफ स्टार खिलाड़ी की गैरमौजूदगी से बिफरे प्रशंसक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज टीम में शामिल किया, जबकि ईशान किशन को एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया। उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भी टीम में शामिल नहीं किया गया था। भारत और इंग्लैंड के बीच 22 जनवरी से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान हो गया। शनिवार को बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय स्क्वॉड की घोषणा की जिसमें ईशान किशन को मौका नहीं मिला। वह एक बार फिर चयनकर्ताओं का दिल जीतने में नाकाम रहे। अब स्टार खिलाड़ी के प्रशंसकों ने बोर्ड के इस फैसले पर सवाल खड़े किए हैं।इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज टीम में शामिल किया, जबकि ईशान किशन को एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया। उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भी टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें आखिरी बार भारत के लिए नवंबर, 2023 में टी20 मुकाबला खेलते देखा गया था। वह बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध का भी हिस्सा नहीं हैं फिलहाल बिहार का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में खेलता दिख रहा है। हाल ही में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में मणिपुर के खिलाफ खेले गए मैच में महज 78 गेंदों में 134 रनों की शानदार पारी खेली थी। उनकी इस पारी की बदौलत ही उनकी टीम ने 28.3 ओवर में 254 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया था। वहीं, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी उनका बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने छह पारियों में 167.70 के स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए। इनमें एक अर्धशतक भी शामिल है। ईशान किशन के टी20 करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 124.37 के स्ट्राइक रेट से 796 रन बनाए हैं। इनमें छह अर्धशतक शामिल हैं। चयनकर्ताओं ने ध्रुव जुरेल को जितेश शर्मा की जगह टीम में शामिल किया है। जुरेल ने अब तक भारत के लिए सिर्फ दो मुकाबले खेले हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड सीरीज की टीम के लिए चयनकर्ताओं की होगी बैठक, शमी-बुमराह पर रहेगा ध्यान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पीठ में जकड़न से परेशान थे। शमी ने वनडे विश्व कप 2023 के बाद से भारतीय टीम के लिए कोई मैच नहीं खेला है और उन्हें टखने की सर्जरी करानी पड़ी थी। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति शनिवार शाम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम का चयन करने को लेकर बैठक करेगी। बताया जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद होने वाली समीक्षा बैठक के साथ ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सदस्य इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चुनने पर बैठक करेंगे। वनडे प्रारूप में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत होना है। इसमें भारत के मुकाबला दुबई में खेले जाएंगे, जबकि अन्य टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मुकाबले से करेगा। हालांकि, इस बात की संभावना कम है कि टीम का एलान शनिवार को होगा क्योंकि चयनकर्ताओं के पास टीम घोषित करने के लिए 12 जनवरी तक का समय है। चयनकर्ता स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के फिटनेस स्तर को भी देखेंगे। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पीठ में जकड़न से परेशान थे। शमी ने वनडे विश्व कप 2023 के बाद से भारतीय टीम के लिए कोई मैच नहीं खेला है और उन्हें टखने की सर्जरी करानी पड़ी थी। बताया जा रहा है कि उन्हें बीसीसीआई की सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फिजिक्स से हरी झंडी मिल सकती है। शमी ने चोट से उबरकर रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और फिटनेस स्तर साबित की थी। वहीं, यह देखना भी दिलचस्प रहेगा कि क्या यशस्वी जायसवाल को 19 टेस्ट और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने के बाद वनडे के लिए मौका दिया जाएगा।चयनकर्ता इस दौरान इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने से होने वाली पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम चुनने पर भी चर्चा करेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच 22 जनवरी से सीमित ओवरों की सीरीज खेली जाएगी। टीम में कोई हैरानी भरा नाम होगा इसकी संभावना कम है क्योंकि टी20 टीम में ज्यादातर वही चेहरे होंगे जो पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज में शामिल थे। शमी को अगर सीओई से फिटनेस सर्टिफिकेट मिल गया तो उन्हें वनडे टीम में जगह मिल सकती है। बुमराह और एक अन्य तेज गेंदबाज आकाश दीप भी बेंगलुरु में सीओई में हैं और पीठ की परेशानी से उबर रहे हैं। यह दोनों इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। यशस्वी वनडे या टी20 में से किसी एक टीम का हिस्सा होंगे और उनके साथ वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी को भी मौका मिला सकता है।

सैकिया-भाटिया आधिकारिक रूप से चुने जाएंगे सचिव और कोषाध्यक्ष, विशेष आम सभा के दौरान होगा चयन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सैकिया और भाटिया इन पदों के लिए नामांकन करने वाले उम्मीदवार रहे। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व सीईसी अचल कुमार ज्योति ने मंगलवार को नामित उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की रविवार को मुंबई में विशेष आम सभा होगी जिसमें देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया आधिकारिक रूप से बोर्ड के सचिव और कोषाध्यक्ष चुने जाएंगे। जय शाह के आईसीसी अध्यक्ष बनने के कारण सचिव पद और आशीष शेल्लार के महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बनने से कोषाध्यक्ष पद रिक्त हुआ था। सैकिया और भाटिया इन पदों के लिए नामांकन करने वाले उम्मीदवार रहे। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व सीईसी अचल कुमार ज्योति ने मंगलवार को नामित उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की थी। जय शाह के आईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद सैकिया अंतिम सचिव के तौर पर काम कर रहे थे। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार, कोई भी रिक्त पद 45 दिनों के अंदर विशेष आम सभा बुलाकर भरी जानी होती है। जय शाह ने एक दिसंबर 2024 को पदभार संभाला था और बीसीसीआई ने पद खाली होने के 43वें दिन बैठक बुला ली। आशीष हाल ही में महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार में कैबिनेट मंत्री बने थे जिस कारण उन्हें बीसीसीआई का कोषाध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था। आशीष की जगह पर भाटिया ने इस पद के लिए नामांकन भरा है। बीसीसीआई की राज्य इकाईयां रविवार को होने वाली विशेष आम सभा के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष जय शाह का सम्मान करेगी। शाह आईसीसी में पद संभालने से पहले बीसीसीआई के सचिव के रूप में काम कर रहे थे। शाह पिछले साल अगस्त में निर्विरोध आईसीसी के अध्यक्ष चुने गए थे और उन्होंने एक दिसंबर 2024 को यह पद संभाला था। वह आईसीसी के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। शाह विशेष आम सभा में विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। जय शाह ग्रेग बार्कले की जगह आईसीसी अध्यक्ष बने थे जिन्होंने तीसरी बार यह पद संभालने से मना कर दिया था।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

उनका दृष्टिकोण सचिन जैसा ग्रेग चैपल ने इस युवा इंग्लिश बल्लेबाज की तेंदुलकर से की तुलना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ब्रूक के करियर के पहले 15 टेस्ट मैचों की तुलना करते हुए चैपल ने कहा कि तेंदुलकर ने 40 से कम की औसत से 837 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक शामिल हैं। ब्रूक ने हालांकि 60 की औसत से 1,378 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक शामिल हैं। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल ने इंग्लैंड के उभरते हुए स्टार हैरी ब्रूक और महान सचिन तेंदुलकर के बीच तुलना की है। सिडनी मार्निंग हेराल्ड में अपने कॉलम में चैपल ने 25 साल के इंग्लिश बल्लेबाज की अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत के लिए तारीफ की और कहा कि ब्रूक का शुरुआती प्रभाव तेंदुलकर से ज्यादा रहा है।उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक, एक सनसनीखेज बल्लेबाज! उनके प्रदर्शन और दृष्टिकोण की मैं महान सचिन तेंदुलकर से तुलना करता हूं। ब्रुक के शुरुआती करियर के आंकड़े बताते हैं कि वह इस स्तर पर प्रभाव के मामले में भारत के मास्टर ब्लास्टर को भी पीछे छोड़ सकते थे।' ब्रूक ने सितंबर 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया था। तब से उन्होंने 24 मैचों में 58.48 की औसत से 2,281 रन बनाए हैं। ब्रूक ने दिसंबर 2024 में कुछ समय के लिए नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग हासिल की थी। ब्रूक के करियर के पहले 15 टेस्ट मैचों की तुलना करते हुए चैपल ने कहा कि तेंदुलकर ने 40 से कम की औसत से 837 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक शामिल हैं। ब्रूक ने हालांकि 60 की औसत से 1,378 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक शामिल हैं। चैपल ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो सचिन तब भी किशोर थे, जबकि ब्रूक 20 साल के हैं। चैपल ने ब्रूक के दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए इसे सरल लेकिन अत्यधिक प्रभावी बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी स्थिरता और तकनीक उन्हें गेंदबाज को पढ़ने और सटीकता के साथ अपने स्ट्रोक को खेलने की अनुमति देती है। परिणाम आप देख सकते हैं। उनके पास अधिकांश गेंदों पर स्कोर करने की एक असाधारण क्षमता। चाहे गेंद किसी भी लेंथ पर हो। फुल लेंथ हो या शॉर्ट लेंथ या गुड लेंथ पर पिच की गई हो, ब्रूक हर गेंद पर शॉट खेल सकते हैं।' पूर्व कोच ने कहा कि तेंदुलकर और ब्रूक के बीच फील्डर्स से खिलवाड़ करने की क्षमताओं में समानता है। उन्होंने कहा, 'तेंदुलकर की शुरुआती प्रतिभा गेंदबाज की गति का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने की क्षमता में निहित थी, जो विकेट के दोनों ओर खूब रन बनाते थे। ब्रूक, हालांकि शारीरिक रूप से ज्यादा मजबूत खिलाड़ी हैं। वह कलाई का उपयोग, फ्लिक, क्रंचिंग ड्राइव और बैक-फुट शॉट्स को अच्छे से खेलने और फील्डर्स को भ्रमित करने की क्षमता है तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत नंबर छह और सात पर बल्लेबाजी से की थी। 1992 तक निचले मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के बाद उन्हें टेस्ट में नंबर चार का स्थान दिया गया। मौजूदा समय में ब्रूक क्रिकेट के शॉट्स के मामले में दुनिया के सबसे रोमांचक खिलाड़ियों में से एक हैं। जैसा कि चैपल ने कहा, 'इंग्लैंड के लिए वह सिर्फ एक उज्ज्वल संभावना नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं।

सम्पादकीय

छोटे कद वाले बड़े साहित्यकार, शहर में चिपका दिए पोस्टर

वह साहित्यकार हैं। साहित्यकार होने के नाते उन्हें स्वयं को विशिष्ट समझने का अधिकार प्राप्त है। वह आम जनता पर लिखने का दावा करते हैं, लेकिन विशिष्ट होने के नाते उनका आम जनता से कोई सरोकार नहीं है। स्वयं को विशिष्ट समझने के कारण उनका लेखन भी विशिष्ट लोग ही समझ पाते हैं। वह बड़े साहित्यकार तो हैं ही, उनका डील-डौल भी बड़ा है, लेकिन लोग कहते हैं कि उनका कद बहुत छोटा है। वह स्वयं भी यह नहीं समझ पाए हैं कि डील-डौल बड़ा होने के बावजूद उनका

कद छोटा क्यों है। वह चाहते हैं कि वह जितने बड़े साहित्यकार हैं, उनका कद भी उतना ही बड़ा हो जाए, लेकिन वह कद बढ़ाने की जितनी कोशिश करते हैं, उनका कद उतना ही छोटा होता जाता है। हारकर उन्होंने अपना कद बढ़ाने की कोशिश छोड़ दी है। अब उनका सारा ध्यान रचना का कद बढ़ाने पर है। इस समय उनकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि उनकी रचना उनके कद जितनी छोटी न हो जाए। रचना का कद बढ़ाने के लिए वह दिन-रात एक किए हुए हैं। अति उत्साह में एक दिन उन्होंने पूरे शहर में पोस्टर चिपका दिए कि वह अंतिम समय तक रचना का कद बढ़ाने की कोशिश करते रहेंगे। तब जाकर शहर की साहित्यिक जमात को पता चला कि रचना का भी कोई कद होता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि समीक्षकों को उनकी यह मेहनत दिखाई ही नहीं देती है। साहित्यकार जी ने यह मान लिया है कि वह विशिष्ट और बड़े साहित्यकार हैं, इसलिए उनकी रचना तो स्तरीय होगी ही। जब प्रतिस्पर्धा के इस दौर में ऐसा विश्वास साथ हो तो रचना के स्तरीय न होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। आजकल विश्वास का बड़ा टोटा है। लाख कोशिश करो, लेकिन स्वयं पर विश्वास नहीं होता। साहित्यकार बनते ही विश्वास अपने आप हमारे साथ हो लेता है। इस अटूट विश्वास के कारण ही उन्हें यह पक्का भरोसा हो गया है कि वह जो लिखते हैं, हमेशा स्तरीय ही होता है। फलस्वरूप इस बात पर माथापच्ची करने से तो छुट्टी मिल जाती है कि रचना स्तरीय है या नहीं? इस प्रक्रिया का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि रचना के स्तर पर कभी बात ही नहीं होती है। लिहाजा सुबह-शाम रचना करने का हौसला दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करता रहता है। साहित्यकार जी ने अपने हौसले के आधार पर कई किताबें लिख मारी हैं। छपते ही वह मित्रों को डाक से किताब भेजनी शुरू कर देते हैं। जब यह काम खत्म हो जाता है तो स्थानीय स्तर पर मित्रों को अपनी किताब बांटने निकल पड़ते हैं। किताब बांटकर जब वह घर आते हैं तो उन्हें असीम संतुष्टि प्राप्त होती है। संतुष्टि की तीव्रता इतनी अधिक होती है कि रात को नींद भी नहीं आ पाती है। दूसरे दिन सुबह उठते ही वह मित्रों को फोन कर किताब पर प्रतिक्रिया मांगनी शुरू कर देते हैं। जब कुछ मित्र उनका फोन नहीं उठाते हैं तो उनका पारा सातवें आसमान पर चढ़ जाता है और वह ऐसे लोगों को साहित्य का दुश्मन घोषित कर देते हैं। कुछ ऐसे भले जीव भी होते हैं, जो सारी रात घोड़े बेचकर सोते हैं और जब उनसे किताब पर प्रतिक्रिया मांगी जाती है तो बड़े ही गर्व से बताते हैं कि उन्होंने सारी रात जागकर किताब पढ़ी है। ऐसी अद्वितीय किताब उन्होंने आज तक नहीं पढ़ी है। यह सुनकर बड़े वाले साहित्यकार और बड़े हो जाते हैं। हालांकि कई दिनों तक खुशी से उछलने के बावजूद उनका कद बड़ा नहीं होता है। साहित्यकार जी जब अपनी किताब पर विभिन्न नामों से स्वयं समीक्षा लिखकर पत्रिकाओं में छपवाने की जी-तोड़ कोशिश करते हैं तो उनके सामने राजनीति के घाघ खिलाड़ी भी फीके लगने लगते हैं। एक दिन साहित्य के एक नासमझ पाठक ने जब उनकी किताब पढ़कर कहा कि मैं यह नहीं समझ पाया हूं कि आपकी रचना क्या कहना चाहती हैं? तो उन्होंने पाठक को पकड़कर वहीं बैठा लिया और उसे रचना का मर्म समझाने लगे, लेकिन थोड़ी देर बाद ही पाठक नींद के आगोश में समा गया।

संपत्ति सृजन को मिले सम्मान, आर्थिक भविष्य के लिए देना होगा ध्यान

हमारे राजनीतिक वर्ग से जुड़े कुछ लोग संपत्ति का सृजन करने वाले उद्यमियों को खलनायक की तरह दिखाने में लगे हुए हैं। ऐसा रवैया भारत की प्रगति में बाधक है। अपना अनुभव साझा करूं तो बचपन में हमारे घर में एक सहायिका काम के लिए आती थीं। वह हमारे और नौ अन्य परिवारों के यहां बर्तन साफ करती थीं। इस तरह एक वेतनभोगी निम्न मध्यमवर्गीय परिवार एक महिला के रोजगार का दसवां हिस्सा बन गया। इसके विपरीत दुर्ग शहर के सबसे अमीर आदमी एक जौहरी ने अपने उद्यम और घर में करीब 100 लोगों को रोजगार दिया हुआ था। उनके कर्मचारियों ने कारीगरी और बिक्री जैसे खास हुनर सीखे, जिससे वे एक घरेलू सहायिका की तुलना में 10 गुना ज्यादा कमा सकें। यह व्यवसायी न सिर्फ कई गुना ज्यादा नौकरियां देता था, बल्कि हर नौकरी का वेतन भी 10 गुना ज्यादा था। जबकि एक वेतनभोगी परिवार संपत्ति सृजन के बजाय केवल उसका उपभोग कर रहा था। मेरे जीवन का यह किस्सा रोजगार उत्पन्न करने में संपत्ति सृजन की केंद्रीय भूमिका को दर्शाता है। जरा सोचिए कि वह नौकरी जिससे आपकी रसोई चलती है या आपके बच्चे की स्कूल फीस भरने में मदद मिलती है, उसके लिए आप किसके ऋणी हैं? अगर आप सतही तौर पर सोचेंगे तो कहेंगे कि यह नौकरी आपकी काबिलियत की वजह से है, लेकिन आपकी सारी काबिलियत के बावजूद अगर संपत्ति का सृजन करने वाले न होते तो आपकी नौकरी भी न होती। अगर सरकार ने भारतीय रेलवे में धन का निवेश नहीं किया होता तो मेरे पिता को नौकरी नहीं मिलती और मुझे वह शिक्षा नहीं मिलती, जिसने मुझे एक अच्छा जीवन दिया। वस्तुतः, नौकरी एक उद्योगपति द्वारा अपने व्यवसाय के लिए पूंजी लगाने से पैदा होती है। यही नौकरियां लाखों लोगों को सपने देखने और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने का अवसर देती हैं। हम वेतनभोगियों को हर महीने जो वेतन मिलता है, उसे लेकर क्या हम कभी यह सोचते हैं कि जिनकी वजह से यह वेतन संभव हो पाता है, वे किन जोखिमों का सामना करते हैं? उद्यमी अपने उद्यम में करोड़ों रुपये लगाता है। उसे असफलता, प्रतिस्पर्धा, सरकारी अड़चनों और बाजार की अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। वेतनभोगी कर्मचारियों के सुनिश्चित वेतन के विपरीत, किसी उद्यमी को केवल तभी धन की प्राप्ति होती है, जब उसका व्यवसाय सफल होता है और वह भी कई सालों की मेहनत एवं तनाव के बाद। संभव है कि दूसरी या तीसरी पीढ़ी के उद्योगपति को उतना जोखिम न उठाना पड़े या उतना संघर्ष न करना पड़े, लेकिन उनके पूर्वजों ने जरूर जोखिम उठाकर संघर्ष किया होगा। हममें से अधिकांश लोग इतना जोखिम लेने की हिम्मत नहीं रखते। ऐसे जोखिम लेने वाले साहसी लोगों को खलनायक ठहराना भारत के आर्थिक भविष्य के लिए नितांत अदूरदर्शी है।

आपसी झगड़े में उलझा आईएनडीआईए, गठबंधन की एकजुटता पर उठे सवाल

दिल्ली में विधानसभा चुनावों को लेकर जब आम आदमी पार्टी ने यह स्पष्ट किया कि वह अपने बलबूते चुनाव लड़ेगी तो आईएनडीआईए की खींचतान फिर से उभरती दिखने लगी थी। आप के जवाब में जब कांग्रेस के नेताओं ने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाने शुरू किए तो यह खींचतान चरम पर आती दिखी। अब तो दोनों एक-दूसरे के सामने हैं, लेकिन यह साफ दिख रहा है कि जहां केजरीवाल कांग्रेस पर जोर-शोर से हमलावर हैं, वहीं राहुल गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक कांग्रेस के बड़े नेता उन्हें सीधा जवाब देने से परहेज कर रहे हैं। क्या इसका कारण गठबंधन को बिखरने से बचाना है कारण जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि आईएनडीआईए में शामिल आप राष्ट्रीय दल है। उसकी दिल्ली के साथ पंजाब में भी सरकार है। यह भी एक तथ्य है कि आप प्रमुख केजरीवाल प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। वह अपने विरोधियों को जवाब देने और उन पर पलटवार करने में माहिर हैं। वह विरोधियों को कठघरे में खड़ा करने के लिए नए-नए मुद्दे लेकर सामने आते हैं और जरूरत के हिसाब से अपनी रणनीति भी बदल लेते हैं। इसके चलते उन्होंने अपनी छवि एक चतुर राजनेता की बना ली है। वह इस कोशिश में भी दिखते हैं कि वही भाजपा को बेहतर तरीक से चुनौती देने में सक्षम हैं। इसके विपरीत आईएनडीआईए की ओर से पीएम पद के प्रबल दावेदार माने जाने वाले राहुल गांधी घिसी-पिटी राजनीति करते दिखते हैं। शायद इसी कारण गठबंधन में शामिल अन्य दलों के नेता उनके नेतृत्व को चुनौती देते रहते हैं। यह ध्यान रहे कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर चुकी हैं। उनकी इस दावेदारी का समर्थन लालू यादव ने कर दिया था। आईएनडीआईए के घटकों के अन्य नेताओं ने भी ममता को गठबंधन का उपयुक्त नेता बताकर कांग्रेस की समस्या बढ़ा दी थी। इसी सिलसिले में समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने यह कहा था कि गठबंधन के नेता राहुल गांधी नहीं हैं। जब दिल्ली में आप और कांग्रेस के बीच तकरार को लेकर तेजस्वी यादव और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने यह कहा कि आइएनडीआइए केवल लोकसभा चुनावों के लिए था तो उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यदि ऐसा है तो गठबंधन को भंग कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी शिकायत की कि गठबंधन में न तो नेतृत्व को लेकर स्पष्टता है और न ही नीति को लेकर। उन्होंने गठबंधन का कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम न होने की भी बात कही। उनकी बातों से असहमत नहीं हुआ जा सकता। जब आइएनडीआइए का गठन हुआ था तो उसका लक्ष?य लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराना था। इस एक मात्र लक्ष्य के अलावा उसके पास कोई स्पष्ट दृष्टिकोण और यहां तक कि वैकल्पिक एजेंडा भी नहीं था। यह भी एक तथ्य है कि आईएनडीआईए पंजाब, केरल और बंगाल में मिलकर चुनाव नहीं लड़ सका था। लोकसभा चुनाव के बाद झारखंड और महाराष्ट्र में तो गठबंधन के घटकों ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन हरियाणा में वे ऐसा नहीं कर सके। जम्मू-कश्मीर में भी केवल कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने ही मिलकर चुनाव लड़ा था। खास बात यह है कि गठबंधन के कुछ घटक और खासकर सपा एवं तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में आप का साथ देने की बात कर रहे हैं। चूंकि कांग्रेस दिल्ली में लंबे समय तक सत्ता में रह चुकी है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि वह यहां पूरी ताकत से चुनाव लड़ना चाह रही है। आप भी दिल्ली को अपना गढ़ मानकर अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं, लेकिन दोनों दलों के बीच जैसी तकरार हो रही है, वह गठबंधन की एकजुटता और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं। यह संभव है कि आईएनडीआईए के घटक अगला लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ना पसंद करें, लेकिन यदि वे आपस में झगड़ते रहते हैं तो न तो जनता को सही संदेश जाएगा और न ही यह गठबंधन भाजपा के नेतृत्व वाले गठजोड़ राजग का विकल्प बन पाएगा। पिछले चुनाव में आईएनडीआईए ने भाजपा को बहुमत नहीं हासिल होने दिया था, लेकिन वह न तो तब राजग का विकल्प बनता दिख रहा था और न ही अब। आईएनडीआईए की समस्या यह है कि उसके अधिकतर घटक दलों का वोट बैंक कांग्रेस से छिटक कर आया है। कांग्रेस यह जानती है कि यदि उसे आईएनडीआईए को सक्षम नेतृत?व देना है तो उसे अपनी राजनीतिक पैठ मजबूत करनी होगी। कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही हैं। उसका सांगठनिक ढांचा अब भी बहुत कमजोर है। कांग्रेस के पास भाजपा के बाद सबसे बड़ा वोट बैंक अवश्य है और वही भाजपा का राष?ट्रीय विकल?प भी बन सकती है, लेकिन बीते तीन लोकसभा चुनावों में उसका प्रदर्शन बहुत कमजोर रहा है। कांग्रेस की कठिनाई यह है कि यदि वह विधानसभा चुनावों के जरिये अपनी खोई हुई राजनीतिक ताकत हासिल करने की कोशिश करती है तो उसके सहयोगी दलों को यह रास नहीं आता। यदि यह स्थिति कायम रही तो आईएनडीआईए या अन्य कोई गठबंधन भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को कभी चुनौती नहीं दे पाएगा। किसी भी लोकतंत्र में सशक्त सत्तापक्ष के साथ ही मजबूत विपक्ष भी होना चाहिए। यही नहीं ऐसे विपक्ष के पास अपना कोई ठोस एजेंडा भी होना चाहिए, जो जनता को आकर्षित कर सके। यह ठीक है कि कांग्रेस के अनेक सहयोगी दल अपने-अपने राज्यों में भाजपा को टक?क?र देने में समर्थ हैं, जैसे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में डीएमके, केरल में माकपा आदि, लेकिन उनकी क्षेत्रीय स्तर पर ही पकड़ है। वे राष्ट्रीय स्तर पर इसलिए नहीं उभर पा रहे हैं, क्योंकि उनके पास ऐसा राष?ट्रीय एजेंडा नहीं है, जो भाजपा के एजेंडे का विकल्प बन सकता हो। यदि कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति सुधरती नहीं तो वह गठबंधन का नेतृत्व करने में समर्थ नहीं रह जाएगी और उसके बिना घटक दल भी प्रभावी नहीं रह जाएंगे। बेहतर होगा कि आइएनडीआइए के घटक कोई ऐसा रास?ता निकालें, जो देश के लोकतंत्र को वैचारिक स?तर पर मजबूती प्रदान कर सके। इस गठबंधन में शामिल दलों को अपनी राजनीतिक ताकत के साथ ही कांग्रेस की राजनीतिक ताकत की भी चिंता करनी होगी।

रिश्तों पर कायम संदेह के बादल, ट्रूडो की विदाई के बाद भी सुधरेंगे संबंध

जस्टिन ट्रूडो और अधिक उपहास का पात्र नहीं बनना चाहते थे। फजीहत से बचने के लिए उन्होंने अंततः कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी राजनीति और करियर पिछले कुछ समय से भटकाव का शिकार रहा। वह जिस दलदल में फंसते जा रहे थे, उससे निकलने की कोई राह भी नहीं दिख रही थी। न केवल उनकी पार्टी, बल्कि दुनिया के एक बड़े हिस्से द्वारा भी उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। एक दशक समय से सत्ता में बनाए हुई थीं। तथ्य यह भी है कि कंजरवेटिव जैसे मुख्य विपक्षी दल के प्रति पिछले कुछ समय से जनसमर्थन बढ़ता जा रहा था, जबकि ट्रूडो को लिबरल पार्टी के भविष्य पर एक ग्रहण के रूप में देखा जाने लगा था। सहयोगियों के रवैये में ही इसकी झलक दिखने लगी थी। जैसे अपने इस्तीफे में फ्रीलैंड ने ट्रूडो को उनकी 'राजनीतिक तिकड़मों' के लिए आड़े हाथों लिया था। फ्रीलैंड का आशय अधिकांश

पहले तक वैश्विक मीडिया के दुलारे रहे व्यक्ति की अब अमेरिका के 51वें राज्य के गवर्नर के रूप में सार्वजनिक रूप से खिल्ली उड़ाया जाना किसी दिग्गज के पतन की ज्वलंत मिसाल है। ऐसे में, उनके इस्तीफे पर कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब तक लिबरल पार्टी नया नेता नहीं चुन लेती तब तक वह कार्यभार संभाले रहेंगे। कनाडा की मौजूदा संसद का कार्यकाल 24 मार्च तक है। उसके बाद चुनाव होने हैं। देखा जाए तो ट्रूडो की अधिकांश समस्याएं उनकी ही देन हैं। लंबे समय से सहयोगी रहीं उनकी उपप्रधानमंत्री क्रिस्टीया फ्रीलैंड ने जब दिसंबर में एकाएक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, तभी तय हो गया था कि ट्रूडो के भी अपने पद पर गिने-चुने दिन ही शेष हैं। फ्रीलैंड ने त्यागपत्र देते हुए आरोप लगाया था कि कनाडाई वस्तुओं पर ट्रंप के 25 प्रतिशत के संभावित आयात शुल्क से उत्पन्न होने वाली चुनौती का तोड़ निकालने की दिशा में पर्याप्त प्रयास नहीं हो रहे। इससे बने माहौल में न्यू डेमोक्रेट्स और क्यूबेक नेशनलिस्ट पार्टी जैसे दलों ने भी अपना समर्थन वापस ले लिया, जो लिबरल पार्टी को लंबे कर्मियों के लिए दो महीने की बिक्री कर छूट और 250 कनाडाई डालर जैसी पेशकश की ओर था। उन्होंने ट्रूडो के नेतृत्व के साथ जुड़ी बुनियादी खामियों को रेखांकित किया। एक नेता जो अपने देश में व्यापक बदलाव के वादे के साथ 2015 में सत्ता में आया, वह आखिर में राजनीतिक तिकड़मों का सहारा लेने पर विवश हो गया। विश्व में कोविड महामारी ने जो असर दिखाया, उससे कनाडा भी अछूता नहीं रहा। इस महामारी के बाद अधिकांश कनाडाई लोगों को आर्थिक दुर्दशा का सामना करना पड़ा। उनकी दृष्टि में महामारी से निपटने में सरकारी प्रबंधन संतोषजनक नहीं था। बढ़ती बेरोजगारी एवं चढ़ती महंगाई के सिलसिले ने ट्रूडो में लोगों का भरोसा और घटा दिया। उनकी लोकप्रियता तेजी से घटने लगी, जिससे उनके संगी-साथियों में अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंता बढ़ने लगी। विदेश नीति के मोर्चे पर ट्रंप की वापसी ट्रूडो के लिए बड़ा झटका रही। ट्रंप ने दावा किया कि टैरिफ को लेकर उनके दबाव के चलते ही ट्रूडो इस्तीफे पर मजबूर हुए।

सुलझाना होगा एमएसपी का सवाल, दूर करना होगा किसानों का असंतोष

पिछले दिनों उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केंद्रीय कृषि मंत्री की उपस्थिति में पीएम किसान सम्मान निधि में बदलाव के साथ किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उनसे वार्ता की भी जरूरत जताई। कृषि पर संसदीय मामलों की कमेटी

ने भी न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी की सिफारिश की है। संसद के पटल पर रखी गई इस रपट में पीएम किसान सम्मान राशि को भी 6,000 से 12,000 रुपये करने की भी संस्तुति है। इसी बीच अपनी मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के गिरते हुए स्वास्थ्य के कारण सरकारों की चिंता बढ़ रही है। 2020 में मोदी सरकार द्वारा तीन कृषि कानून लाने और फिर इन्हें खत्म करने के बाद भी किसान आंदोलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कृषि उत्पादन व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सुविधा) कानून के अनुसार किसान मनचाही जगह पर अपनी फसल बेच सकते थे। कोई भी लाइसेंस धारक व्यापारी किसानों से सहमत कीमतों पर उपज खरीद सकता था। कृषि उत्पादकों का यह व्यापार राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए मंडी कर से मुक्त किया गया था। किसान (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवा कानून किसानों से अनुबंध खेती करने और अपनी उपज का स्वतंत्र रूप से विपणन करने की अनुमति देने के लिए था। इसके तहत फसल खराब होने पर नुकसान की भरपाई किसानों को नहीं, बल्कि एग्रीमेंट करने वाले पक्ष या कंपनियों द्वारा की जाती। आवश्यक वस्तु संशोधन कानून के तहत असाधारण स्थितियों को छोड़कर व्यापार के लिए खाद्यान्न, दाल, खाद्य तेल और प्याज जैसी वस्तुओं से स्टाक सीमा हटा ली गई थी। कृषि कानूनों से किसानों में यह बात घर कर गई कि इनके जरिये सरकार एमएसपी को खत्म कर देगी और उन्हें उद्योगपतियों का मोहताज बनाकर छोड़ देगी, जबकि सरकार का तर्क था कि इन कानूनों के जरिये कृषि क्षेत्र में नए निवेश के अवसर पैदा होंगे और किसानों की आमदनी बढ़ेगी। कृषि संकट एक वैश्विक घटना है। कई देशों में छोटे किसानों को संसाधनों तक पहुंच की कमी, कम पैदावार, अस्थिर बाजार जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। भारत में इस कृषि संकट के चलते किसानों की आत्महत्या की घटनाएं 1970 से ही प्रारंभ हो गई थीं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 1995 से 2014 के बीच 2,96,438 किसानों ने आत्महत्या की। 2014 से 2022 के बीच नौ वर्षों में यह संख्या 10,047 थी। नाबार्ड के अनुसार मौजूदा समय देश के सभी तरह के बैंकों का करीब 16 करोड़ किसानों पर 21 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। यानी प्रति किसान कर्ज 1.35 लाख रुपये है। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन के अनुसार किसानों को जरूरी दर से कम एमएसपी देने से किसानों को लगभग 60 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके चलते किसान कर्ज में डूब गए हैं। यह किसानों की आत्महत्या का एक बड़ा कारण है। इसी असंतोष के चलते 2020 में किसानों ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने के साथ किसानों की मांगों पर सहमति बनाने के लिए एक कमेटी बनाने की बात कही। कई दौर की मीटिंग के बाद भी आज तक उस कमेटी की रिपोर्ट का अता-पता नहीं है। अलबत्ता सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पांच सदस्यीय कमेटी के कुछ निष्कर्ष अवश्य प्रकाश में आए हैं, जिसके अनुसार किसानों की लागत और कृषि हेतु लिए गए कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। समिति ने उन्हें इस संकट से मुक्ति दिलाने के लिए एमएसपी को कानूनी मान्यता सहित 11 मुद्दे चिह्नित किए हैं। हाल में कृषि उत्पादकता में गिरावट, बढ़ती कृषि लागत, अपर्याप्त मार्केटिंग सिस्टम और सिकुड़ते कृषि रोजगार से कृषि आय में गिरावट आई है। घटता जलस्तर, बार-बार सूखा पड़ना, कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा का पैटर्न, भीषण गर्मी आदि जलवायु आपदाएं भी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं। किसान अपनी आजीविका को बनाए रखने से संबंधित चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इसी आर्थिक असुरक्षा के चलते पंजाब के किसान संगठनों ने स्वामीनाथन फार्मूले के अनुसार सभी फसलों पर एमएसपी के कानूनी अधिकार की मांग की है। उनका कहना है कि उन्हें बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। एमएसपी को महत्वपूर्ण कृषि उत्पादों के लिए मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी हस्तक्षेप के माध्यम से किसानों को मूल्य में उतार-चढ़ाव से बचाना है। यह प्रणाली पांच दशकों से अधिक समय से चल रही है। सरकार की धारणा है कि एमएसपी को कानूनी गारंटी देने से उसे सभी कृषि उपज खरीदने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, लेकिन इस संदर्भ में दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। पहला, सभी कृषि उपज बाजार में नहीं आतीं। किसान कुछ उपज को स्वयं के उपभोग, बीज और पशु चारे के लिए बचाकर रखते हैं। दूसरा, सरकारी हस्तक्षेप केवल तभी तक आवश्यक होता है, जब किसी वस्तु का बाजार मूल्य एमएसपी से नीचे जाता है। इसीलिए एमएसपी पर कानूनी गारंटी लागू करने पर विचार होना चाहिए। एमएसपी की गारंटी न केवल किसानों की आत्महत्या को रोकने और महंगाई घटाने में सहायक होगी, बल्कि जल संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा और राष्ट्रीय संपत्ति को संरक्षित करने में भी मददगार होगी।

जिला जेल में पहली बार जेल स्पोर्ट्स लीग का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिला जेल में पहली बार जेल स्पोर्ट्स लीग का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने किया।जिलाधिकारी और एसपी ने चेस की चाल चल कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उक्त आयोजन के सभी खेलों में बंदियों ने ही प्रतिभाग किया। जेल अधीक्षक अमन सिंह ने कहा कि बंदियों में जो नीरसता आ जाती है उसे दूर करने के लिये जेलों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते है, उसी कड़ी में रायबरेली जिला जेल में भी व्यापक पैमाने पर दो दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बॉलीवाल, बैडमिंटन, चेस, कैरम व रस्साकशी समेत कई खेल आयोजित किये गये हैं। अधीक्षक ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बंदियों में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर डॉ मनीष सिंह, डॉ बृजेश सिंह सहित जिला जेल के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लंदन में बिरला ने की स्वामी नारायण मंदिर में पूजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष बिरला इस समय स्कॉटलैंड और ग्वेर्नसे द्वीप सहित ब्रिटेन के दौरे पर हैं। उन्होंने लंदन के नेसडेन इलाके में बने बीएपीएस श्री स्वामी नारायण मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की यह यात्रा भारत और यूके संबंधों करके खुशी हुई। ओम बिरला ने मूर्तियों के दर्शन के साथ प्रार्थना की, अभिषेक किया और यूके-यूरोप में बीएपीएस प्रभावशाली कार्यों की जानकारी ली। इसके अलावा फ्रांस में आगामी मंदिर के बारे में जानकारी प्राप्त की। हम इस समृद्ध आदान-प्रदान को गहराई से महत्व देते हैं और भारत-यूके संबंधों को मजबूत में युवाओं की क्षमताएं बढ़ रही हैं और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। वहीं ओम बिरला ने शुक्रवार को ग्वेर्नसे में राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (सीएसपीओसी) की स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने संसद के कामकाज

को मजबूत करने वाली है। लंदन यात्रा पर गए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेसडेन इलाके में बीएपीएस श्री स्वामी नारायण मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने मंदिर में पूजा-अनुष्ठान किए। इसके साथ ही यूके और यूरोप में बीएपीएस के कामों की जानकारी ली। अधिकारियों ने उनको पेरिस में बन रहे मंदिर की प्रगति की जानकारी दी। मंदिर ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की यह यात्रा भारत और यूके संबंधों को मजबूत करने वाली है। एक्स पर पोस्ट में मंदिर प्रबंधन ने लिखा कि नेसडेन मंदिर में भारत के लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लंदन के एक होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में 180 से अधिक भारतीय छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छात्रों को संबोधित भी किया, जिस दौरान ओम बिरला ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जहां के छात्र अपनी मानसिकता, विचार, नवाचार क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता से देश को नई ऊर्जा दे रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी ताकत उसके युवा छात्र हैं। युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और नवाचार क्षमता लगातार बढ़ रही है। जबकि दुनिया में युवा पीढ़ी की संख्या घट रही है, वहीं भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सोशल मीडिया के इस्तेमाल की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि भारत अगले साल 28वें सीएसपीओसी की मेजबानी करेगा। ओम बिरला का ब्रिटेन दौरा 17 साल में पहली बार किसी भारतीय लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर है। इसको लेकर ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की यात्रा हमारे लिए साल 2025 की विशेष शुरुआत है। 17 वर्षों में पहली बार भारत के लोकसभा अध्यक्ष ब्रिटेन की यात्रा पर आए हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष सर लिंडसे हॉयल और लोकसभा के अध्यक्ष दोनों ही अपने दूसरे कार्यकाल में हैं।

थाना दिवस पर जगतपुर में डीएम-एसपी ने सुनी लोगों की फरियाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ थाना जगतपुर में थाना दिवस के अवसर पर लोगों की फरियाद सुनीं। उनके सामने राजस्व, आपसी रंजिस तथा महिला उत्पीड़न सहित अन्य शिकायते आईं। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष तथा राजस्व अधिकारियों को इस अवसर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकरण में जांच आदि की जरूरत हो तो अवश्य करें। समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और शिकायतों के निस्तारण पेपर पर ही नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर भी किया जाये। उन्होंने कहा कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, निर्भीक, पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ करे। दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर समस्याओं को निस्तारित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने थाना दिवस रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर को भी देखा। कहा कि रजिस्टर में दर्ज विवादो को जल्द से जल्द निस्तारित कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ सहित पुलिस विभाग, राजस्व विभाग व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रियंका गांधी को गिफ्ट में देना चाहते मेरी मनाली की प्रॉपटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उन्होंने कहा है कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने ईडी से इस मामले को वापस लेने के लिए उन्हें 100 करोड रुपए और कैबिनेट रैंक तक देने की पेशकश की। केसीसी बैंक में करोड़ों रुपए के ऋण धोखाधड़ी मामले में संलिप्त युद्ध चंद बैंस ने ऊना में कई खुलासे करके सर्द फिजाओं में गर्माहट ला दी है। उन्होंने यहां पर निजी होटल में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आरोप लगाए है कि हिमाचल के मुख्यमंत्री और उनके राजनीतिक सलाहकार समेत अन्य कांग्रेस नेता राष्ट्रीय कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी को खुश करने के लिए उनकी मनाली वाली जमीन गिफ्ट करने के लिए यह षडयंत्र रचकर फंसाया जा रहा है। यह सारे सबूत ईडी को पेश कर दिए गए हैं। इस मामले में पहले ही दो बार क्लीन चिट मिल चुकी है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके राजनीतिक सलाहकार सहित आला अधिकारियों, बैंक के अध्यक्ष पर सीधा तीखा जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि होटल बनाने के लिए ऋण लेने के नाम पर किसी भी प्रकार का कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है। नियमों के तहत ही ऋण लिया गया है और बाकायदा नाबार्ड से उनके इस मामले को मंजूरी मिली है। जबकि अन्य ऋण मामलों को नाबार्ड की मंजूरी तक नहीं दी गई है। लेकिन हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले उन्हें टारगेट किया और ईडी में उनके ही खासमखास ज्ञान चंद और संजय आयकर विभाग और ईडी के मामले में संलिप्त होने की सूरत में जेल की सलाखों के पीछे हैं। जबकि दो अन्य इस मामले में फरार हैं।

सीएम सुक्खू ने हड़ेटा में नवजीवन का शिलान्यास किया, ईको टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। परियोजना के तहत चिल्ड्रन पार्क, वॉकिंग ट्रेल, योगा की सुविधा, कैफेटेरिया, वॉच टावर तथा तीन कॉटेज सहित अन्य

सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को नादौन विधानसभा क्षेत्र के हड़ेटा में चार करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित आर्थिक विकास और आजीविका सृजन परियोजना (नवजीवन) का शिलान्यास किया। इस परियोजना के तहत चिल्ड्रन पार्क, वॉकिंग ट्रेल, योगा की सुविधा, कैफेटेरिया, वॉच टावर तथा तीन कॉटेज सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना से क्षेत्र में ईको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और उनकी आय में वृद्धि होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नादौन क्षेत्र के हड़ेटा में सबसे घना जंगल है, इसीलिए इस क्षेत्र का चयन पार्क बनाने के लिए किया गया है।उन्होंने कहा कि पूरे हमीरपुर में सड़कों का दोहरीकरण किया जा रहा है। गलोड़-भट्टा सड़क के साथ क्षेत्र की अन्य सड़कों को भी डबललेन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षा के बाद अब स्वास्थ्य क्षेत्र में हमीरपुर को अग्रणी बनाने के लिए काम कर रही है। डॉ. राधाकृष्णन हमीरपुर चिकित्सा महाविद्यालय पर अब तक 470 करोड़ रुपए खर्च किए चुके हैं। भविष्य में यहां स्टेट ऑफ आर्ट कैंसर संस्थान बनने जा रहा है, जिसके लिए 85 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। सुक्खू ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने बिना स्टाफ और संसाधनों के सरकारी संस्थान खोल कर इन्हें कमजोर किया, लेकिन प्रदेश सरकार इसमें सुधार कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में अत्याधुनिक मशीनें स्थापित करने के लिए 1500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

लॉस एंजिलिस की आग का राष्ट्रपति बाइडन ने उड़ाया मजाक, भड़के लोग, कमला हैरिस पर भी साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बाइडन अनजाने में लॉस एंजिलिस में लगी आग का मजाक उड़ा गए। बैठक की यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर और लोग बाइडन के प्रति गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। दरअसल जो बाइडन ने बैठक के दौरान अपनी बात रखने के बाद बगल में बैठी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की ओर

आ गई और लोग बाइडन के प्रति गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन एक बार फिर लोगों के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल बाइडन लॉस एंजिलिस में लगी आग के मुद्दे पर बैठक कर रहे थे। इस दौरान बाइडन ने कुछ ऐसा कह दिया, जिससे लोग नाराज हो गए। दरअसल बाइडन अनजाने में लॉस एंजिलिस में लगी आग का मजाक उड़ा गए। बैठक की यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर आ गई मुखातिब होते हुए कहा कि मैं जानता हूं उपराष्ट्रपति कि आप अग्निकांड से सीधे तौर पर प्रभावित हैं तो अब आप इस पर अपनी बात रखिए। दरअसल बात रखने के लिए बाइडन ने 'फायर अवे' मुहावरे का इस्तेमाल किया, लेकिन क्योंकि यह बैठक एक आपदा को लेकर हो रही थी तो लोगों को बाइडन का इस मुहावरे का इस्तेमाल करना पसंद नहीं आया। वहीं बाइडन के इस बयान पर कमला हैरिस ने भी जिस तरह से हंसते हुए प्रतिक्रिया दी, उससे भी लोगों ने नाराजगी जाहिर की। एक यूजर ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि 'क्या ये आपकी सहानुभूति है?' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'जिस तरह से उन्होंने (कमला हैरिस) मुंह बनाया, वो सब कुछ कहता है।' गौरतलब है कि बैठक के दौरान बाइडन ने जब अमेरिकी अग्निशमन विभाग के प्रमुख रैंडी मूर को बोलने के लिए कहा, तब भी उन्होंने 'फायर अवे' मुहावरे का ही इस्तेमाल किया। इस पर यूजर्स का कहना है कि एक बार कोई भी गलती कर सकता है कि लेकिन दोबारा से ऐसा करना साफ तौर पर लॉस एंजिलिस की आग का मजाक बनाना है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति बाइडन पूर्व में भी कई बार ऐसे ही अपने बयानों को लेकर आलोचकों के निशाने पर आ चुके हैं। इसके लिए बाइडन की बढ़ती उम्र को लोग कारण बताते हैं। वहीं लॉस एंजिलिस में लगी आग से करीब 40 हजार एकड़ इलाका तबाह हो चुका है और 16 लोगों की मौत हो चुकी है। इस आग से अमेरिका को करीब डेढ़ सौ अरब डॉलर के नुकसान की आशंका है। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा अग्निकांड माना जा रहा है।

सड़क हादसों में डेढ़ साल के बच्चे सहित तीन की गई जान, पुलिस एक्शन में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-23 के धूलसिरस गांव में मकान मालिक के बेटे के क्रेटा कार पीछे करने के दौरान पहिये के नीचे आ जाने से किराएदार के डेढ़ साल के बच्चे की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई। द्वारका सेक्टर-23 के धूलसिरस गांव में मकान मालिक के बेटे के क्रेटा कार पीछे करने के दौरान खेल रहा था। इसी दौरान मकान मालिक का बेटा विनोद आगे पीछे देखे बिना अपनी खड़ी क्रेटा कार को पीछे करने लगा। यह देखकर आरती ने चिल्ला कर विनोद को बताया कि उनका बेटा कार के पीछे है। जब तक विनोद ने कार को रोका तब तक आरब कार के पिछले पहिए के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गया।कार को रोकने के

पहिये के नीचे आ जाने से किराएदार के डेढ़ साल के बच्चे की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई। मृत बच्चे की शिनाख्त आरब के रूप में हुई है। घटना के बाद आरोपी चालक घायल बच्चे को अपनी कार से पास के अस्पताल में ले गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने से मौत का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस चालक को गिरफ्तार कर मामले की छानबीन कर रही है। द्वारका जिला उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि डेढ़ साल का आरब अपनी मां आरती और पिता दिनेश सिंह के साथ धूलसिरस गांव में किराए के मकान में रहता था। उसकी मां आरती ने बताया कि नौ जनवरी की दोपहर तीन बजे वह घर के सामने प्लॉट में कपड़े सुखा रही थी। कुछ दूरी पर उनका बेटा आरब बाद विनोद पीछे आया और गंभीर रूप से घायल आरब और उसकी मां को लेकर इंदिरा गांधी अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने आरब को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली जानकारी के बाद वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिर पुलिस बच्चे की मां को घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके से साक्ष्य हासिल किए। उसके बाद पुलिस ने मां के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले पर कार्रवाई करते हुए विनोद को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली के अलग अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, वहीं एक युवक घायल हो गया। घटना दिल्ली कैंट और पंजाबी बाग इलाके में हुई। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

वोटर बनने में महिलाएं पीछे, किसी भी सीट पर पुरुषों के बराबर नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यह स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की भरमार है। में सबसे ज्यादा करीब 60 हजार के अंतर से महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं, तो तिलक नगर विधानसभा में सबसे कम 2649 के अंतर से पीछे हैं। मतदाता सूची पर नजर डालें तो 19 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां लगातार बढ़ोतरी हुई है। 1998 के चुनाव में 4.48 फीसदी, 2003 में 3.37, 2008 में 1.72, 2013 में 0.90, 2015 में 1.14 फीसदी पीछे रहीं। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव में महिलाएं

राष्ट्रीय राजधानी की महिलाएं मतदाता बनने में पुरुषों से काफी पीछे हैं। यह स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की भरमार है। सभी दल महिला मतदाताओं को अपने पाले में करने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं, लेकिन मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची को देखें तो पुरुष मतदाताओं से महिलाओं की संख्या काफी कम है। इस बार दिल्ली में कुल 1,55,24,858 मतदाता हैं। इनमें पुरुष 85,49,645 और महिलाएं 71,73,952 हैं।दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में किसी में भी महिलाएं पुरुष मतदाताओं से आगे नहीं हैं। ओखला विधानसभा क्षेत्र पर एक से 10 हजार के अंतर से महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं। वहीं, 33 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर 10 से 20 हजार के अंतर से महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं। दूसरी तरफ 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 18 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या काफी कम है। यहां पर 20 से 60 हजार तक के अंतर से महिलाएं पीछे हैं।भले ही राजधानी में मतदाताओं में महिलाएं पुरुषों से काफी पीछे हों, लेकिन मतदान करने में वह पुरुषों की बराबरी कर रही हैं। दिल्ली का पहला चुनाव 1993 में हुआ था। इसमें महिलाएं मतदान फीसदी में पुरुष मतदाताओं से 6.29 फीसदी पीछे रहीं थीं। इसके बाद के सभी चुनावों में महिलाओं के मतदान फीसदी में पुरुष मतदाताओं से मात्र 0.09 फीसदी ही पीछे रही थीं। यह कहा जा सकता है कि महिलाएं पुरुष मतदाताओं के बराबर रहीं।दिल्ली में सबसे ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री के तौर पर शीला दीक्षित रहीं हैं। वे दिसंबर 1998 से लेकर दिसंबर 2013 तक मुख्यमंत्री रहीं। इससे पहले 12 अक्तूबर से दिसंबर 1998 तक सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री रहीं। वर्तमान में आतिशी मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में 1993 से लेकर अब तक सबसे ज्यादा समय तक दिल्ली में मुख्यमंत्री के तौर पर महिलाएं रहीं हैं। साथ ही, दिल्ली में राजनीतिक शुरुआत करने वाली कई महिलाएं केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने तक का सफर कर चुकी हैं।

हिमाचल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी, कोहरे का अलर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शनिवार रात को नारकंडा और कुफरी समेत ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को बारिश-बर्फबारी होने का पूर्वानुमान है।हिमाचल में मौसम ने फिर करवट बदली है। एक सप्ताह बाद प्रदेश का मौसम बिगड़ा है। नारकंडा और कुफरी समेत ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शनिवार रात को बर्फबारी हुई है। इससे देश-विदेश से यहां घूमने के लिए आने वाले सैलानी चहक उठे हैं। बर्फबारी के कारण एनएच 5 पर वाहनों की आवाजाही अवरुद्ध हो गई है। इस वजह से एनएच पर बसों की आवाजाही बंद रही। इसके अलावा चौपाल मार्ग भी बंद है। सड़कों को खोलने का कार्य जारी है। मौसम में आए अचानक बदलाव से शनिवार रात को चंबा के प्रसिद्द पर्यटन स्थल डलहौजी के लक्कड़मंडी, डायन कुंड और ऊपरी इलाकों में बर्फबारी हुई। रविवार कि सुबह बर्फ की सफेद चादर देख पर्यटक भी खुशी से झूम

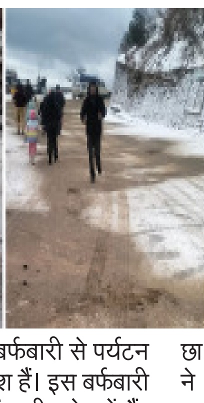

उठे। इस ताजा बर्फबारी से पर्यटन व्यवसायी भी खुश हैं। इस बर्फबारी से समूचा क्षेत्र ठंड की चपेट में हैं। वहीं, लाहौल सहित प्रदेश की ऊंची चोटियों पर शनिवार को बर्फबारी हुई, मैदानों में कोहरा छाया रहा। इससे प्रदेश में ठंड में इजाफा हुआ है। शनिवार को बदले मौसम के बीच अधिकतम पारे में शुक्रवार के मुकाबले आठ डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हुई। रविवार को बारिश-बर्फबारी होने का पूर्वानुमान है।बिलासपुर, ऊना, कांगड़ा और मंडी के कई क्षेत्रों में शनिवार को सुबह और शाम के समय घना कोहरा छाया रहा। रविवार को भी कोहरा पड़ने का येलो अलर्ट जारी हुआ है। ऊना में शनिवार को ट्रेनें ढाई से तीन घंटे देरी से पहुंचीं। मैदानी जिलों में सुबह 11 बजे के बाद धूप खिली। अपराह्व चार बजे फिर कोहरा छा गया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 13 से 16 जनवरी तक मौसम साफ रहने की संभावना जताई है। 17 को फिर बारिश- बर्फबारी के आसार हैं। लाहौल में रुक-रुक कर बर्फबारी होती रही। इससे कुल्लू से लेकर लाहौल तक ठंड व शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया।

डीएम ने पुलिस अधीक्षक के साथ महाकुंभ के दृष्टिगत जनपद में की गई तैयारियों का जायजा लिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के साथ दिव्य, भव्य महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत जनपद में की गई तैयारियों की समीक्षा हेतु विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी ने ट्रैफिक व्यवस्था, प्रकाश की व्यवस्था, साफ सफाई सहित श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए विश्रामालय शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को ससमय पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, इसके पश्चात (रायबरेली- प्रयागराज) राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माणाधीन कार्यों का भी निरीक्षण किया और एनएचएआई के अधिकारियों को ससमय कार्य पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए, जिससे कि श्रद्धालुओं के आवागमन व विश्रामालय शिविर में ठहरने में किसी प्रकार की कोई असुविधा उत्पन्न ना हो निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बॉलीवुड/टेली मसाला

मैं बोलूं शर्ट पीला है तो भरोसा रखो आ गया पुष्पा 2 के रिलोडिड वर्जन का प्रोमो

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। 'पुष्पा 2' को कुछ अतिरिक्त फुटेज के साथ कल शनिवार 11 जनवरी से सिनेमाघरों में दिखाया जाना था, लेकिन तकनीकी कारणों से ऐसा नहीं हो सका। आज 12 जनवरी को इसका प्रोमो जारी किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि रिलोडिड वर्जन कब से आएगा...फिल्म 'पुष्पा 2-द रूल' का सिनेमाघरों में कब्जा है। महीनेभर बाद भी कोई फिल्म इसे नहीं हिला पा रही है। अब तो निर्माता इसका रिलोडिड वर्जन थिएटर्स में रिलीज कर रहे हैं। यूं तो अतिरिक्त फुटेज के साथ इसे कल 11 जनवरी को रिलीज किया जाना था। लेकिन, तकनीकी खामियों के चलते ऐसा हो नहीं पाया। अब आज रविवार सुबह इसका प्रोमो जारी किया गया है। साथ ही नई रिलीज डेट भी बताई है। मैत्री मूवी मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा कर प्रोमो रिलीज किया है। इसमें वे फुटेज जोड़े गए हैं, जो अभी सिनेमाघरों में दिखाई जा रही फिल्म में नहीं हैं। प्रोमो में पुष्पराज (अल्लू अर्जुन) अपने चिर-परिचित अंदाज में कह रहा है, 'अगर मैं बोलूं शर्ट पीला है तो भरोसा रखो, शर्ट पीला है'। इसके अलावा कुछ और एक्शन और फाइट सीन भी दिखाए गए हैं। प्रोमो के साथ कैप्शन लिखा जा रहा है'। मेकर्स ने प्रोमो के साथ बताया कि यह रिलोडिड वर्जन 17 जनवरी से थिएटर में दिखाया जाएगा। प्रोमो तेलुगु और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज किया गया है। इससे पहले एक अन्य पोस्ट में मेकर्स ने यह भी स्पष्ट किया है कि रिलोडिड वर्जन को रिलीज करने में देर क्यों हुई? इसमें लिखा है, 'कंटेंट की प्रोसेसिंग में कुछ तकनीकी देरी की वजह से पुष्पा 2 के रिलोडिड वर्जन को रिलीज करने में देर हुई है। पहले इसे 11 जनवरी को रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन अब 17 जनवरी से दिखाया जाएगा'। अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल जैसे सितारों से सजी सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म का जलवा बॉक्स ऑफिस पर कायम है। कल शनिवार को 38वें दिन इस फिल्म ने दो करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 1218.15 करोड़ रुपये हो गई है। हिंदी बॉक्स ऑफिस पर यह नंबर वन फिल्म बन चुकी है। अब इसका रिलोडिड वर्जन और उत्साह जगा रहा है। देखा होगा कि फिल्म की कमाई को बढ़ाने में यह कितना मददगार साबित होगा।

अगर हवा शांत नहीं हुई तो लॉस एंजिल्स में लगी आग के बीच डर के साए में रह रहीं प्रीति जिंटा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने लॉस एंजेलिस में लगी भीषण आग के बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें ठमैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा दिन आएगा जब आग हमारे आसपास के पड़ोस को नष्ट कर देगी। हमारे दोस्तों और परिवारों को निकाला या उच्च सतर्कता पर पर काबू पा लिया जाएगा। अग्निशमन विभाग, अग्निशमन कर्मियों और जान-माल को बचाने में मदद करने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी

उन्होंने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की स्थिति की जानकारी दी है। मशहूर एक्ट्रेस प्रीति जिंटा शादी के बाद से फिल्मों से दूर हैं। साल 2016 में जीन गुडइनफ से शादी करने के बाद वह भारत और लॉस एंजिल्स के बीच सफर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक्स पर अपने फैंस को आश्वस्त किया है कि वह शहर में लगी भीषण जंगल की आग से सुरक्षित हैं। इस संकट से भरे समय में प्रीति ने सोशल मीडिया पर अपनी और वहां रहने वाले अन्य की कठिन स्थिति को साझा किया। प्रीति जिंटा ने एक्स पर लिखा, रखा जाएगा। धुएं से भरे आकाश से राख बर्फ की तरह गिरेगी। प्रीति ने आगे लिखा, ठकभी नहीं सोचा था कि इस बात को लेकर डर और अनिश्चितता रहेगी कि अगर हवा शांत नहीं हुई तो क्या होगा, क्योंकि हमारे साथ छोटे बच्चे और दादा-दादी होंगे। मैं अपने आस-पास की तबाही देखकर दुखी हूं और भगवान की आभारी हूं कि हम अभी सुरक्षित हैं।उन्होने आगे लिखा, ठमेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जो विस्थापित हुए हैं और जो इस आग में अपना सब कुछ खो चुके हैं। उम्मीद है कि हवा जल्दी ही शांत हो जाएगी और आग सुरक्षित रहें। प्रीति के अलावा बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी लॉस एंजेलिस में लगी आग के बारे में अपनी परेशानियों को साझा किया था। प्रियंका अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मारी जोनस के साथ लॉस एंजेलिस में रहती हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था कि मुझे उम्मीद है कि हम सभी आज रात सुरक्षित रहेंगे। प्रियंका ने इसके साथ ही अग्निशामकों का आभार व्यक्त किया था और आग के दृश्य की एक तस्वीर भी साझा की थी। यह आग उन्होंने अपने घर से देखी थी।

फिर से जमेगी अक्षय के साथ इस अभिनेत्री की जोड़ी, प्रियदर्शन की भूत बांग्ला में लगाएंगी तड़का

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। तीन साल बाद प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित फिल्म भूत बंगला के साथ हॉरर कॉमेडी में वापसी कर रही हैं बॉलीवुड की वो हीरोइन, जो पहले भी अक्षय कुमार के साथ कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।प्रियदर्शन के निर्देशन था भूत बांग्ला। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, ठ हम यहां बंद हैं।ठ तब्बू की इस पोस्ट के बाद उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं कि भूल भूलैया 2 के बाद अब वह तब्बू को फिल्म भूल बंगला में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का लगाते देख पाएंगे। 2000 की फिल्म हेरा फेरी में अक्षय

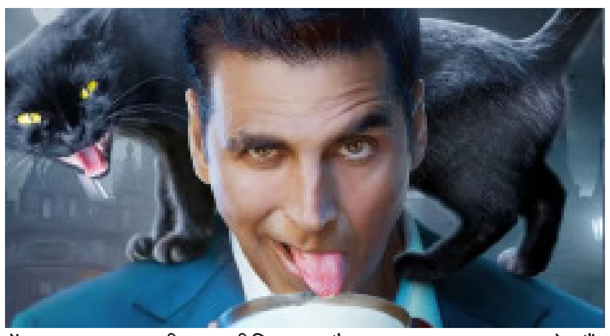

में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री कंमर्फ हो चुकी है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी है। ड्यूनः प्रोफेसी में जबर्दस्त अभिनय के बाद आखिरकार, तब्बू ने खुलासा किया है कि वह आगे क्या करने की योजना बना रही हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में वह अगली बार नजर आएंगी। इसका खुलासा खुद तब्बू ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा और तप्पू साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया था। कुछ समय से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि तब्बू भी इस ड्रामा में शामिल होंगी, लेकिन प्रशंसक आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार, तब्बू की इंस्टाग्राम पोस्ट ने खुलासा कर ही दिया है कि वह भूत बंगला का हिस्सा हैं और इस हॉरर कॉमेडी में वह एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। 2026 में आने वाली फिल्म भूत बांग्ला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं।

तुम्हारा बाप आमिर खान है- ऐसा क्यों बोले मिस्टर परफेक्शनिस्ट, लवयापा में नजर आएंगे जुनैद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। लवयापा के ट्रेलर लॉन्च के दौरान आमिर खान ने बेटे जुनैद को लेकर किए कई खुलासे। आमिर के बेटे जुनैद खान कभी भी फिल्मों के बारे में उनकी लवयापा के ट्रेलर लॉन्च पर आमिर खान ने बताया कि कैसे वह हमेशा अपने बच्चों के लिए मौजूद रहते हैं, लेकिन बच्चे कभी भी उनसे सलाह लेने नहीं आते। जुनैद खान फिल्म लवपाया से बॉलीवुड में अपना टाइगर श्रॉफ को उनके डेब्यू से पहले मार्गदर्शन के लिए उनके पास भेजा था। हालांकि, उनके अपने बच्चे उनकी सलाह और मार्गदर्शन को कम महत्व देते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या

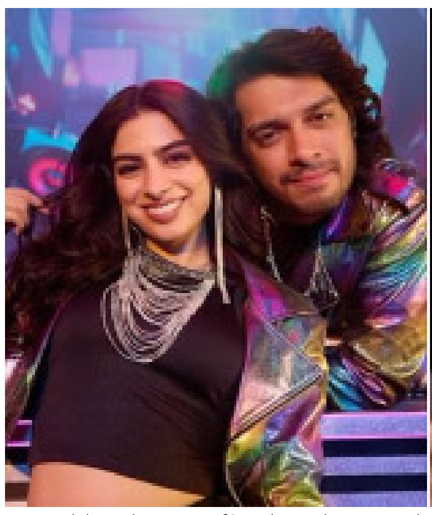

सलाह लेने उनके पास नहीं जाते, लेकिन जग्गू दादा के बेटे टाइगर श्रॉफ लेते हैं उनसे फिल्मों के बारे में हर एक सलाह। मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे जुनैद खान फिल्मों के मामले में खुद ही अपने फैसले लेते हैं। जुनैद और खुशी कपूर की आने वाली फिल्म डेब्यू कर रहे हैं। लवपाया के इवेंट के दौरान आमिर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि बच्चों को यह समझने की जरूरत है कि वह आमिर खान के बेटे हैं और उन्हें उनकी बात सुननी चाहिए। आमिर ने यह भी खुलासा किया कि जैकी श्रॉफ ने अपने बेटे जुनैद खान कभी किसी स्क्रिप्ट के साथ उनके पास आए हैं, ताकि उनसे सलाह ले सकें कि उन्हें फिल्म करनी चाहिए या नहीं। इस बात पर आमिर ने कहा, ठहम घर पर भी ऐसे ही हैं, कोई फर्क नहीं है। काम के मामले में, जुनैद अपने फैसले खुद लेता है।

गेम चेंजर' को लग रहे एक के बाद एक झटके, अब तेलंगाना सरकार ने उठाया ये बड़ा कदम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। तेलंगाना सरकार ने अभिनेता राम चरण की फिल्म गेम चेंजर के लिए टिकट मूल्य वृद्धि के आदेश को वापस ले लिया है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद सरकार ने यह निर्णय रुपये और सिंगल थिएटरों के लिए 100 रुपये अतिरिक्त शुल्क लेने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा 11 जनवरी से 19 जनवरी तक पांच शो (नौ दिनों के लिए) 100 रुपये के अतिरिक्त शुल्क मल्टीप्लेक्स और 50 रुपये सिंगल

लियातेलंगाना सरकार ने अभिनेता राम चरण की फिल्म गेम चेंजर के लिए टिकट मूल्य में वृद्धि की अनुमति देने वाले अपने आदेश को वापस ले लिया है। उच्चा न्यायालय के निर्देशों के बाद सरकार ने यह फैसला लिया। सरकार ने कहा कि भविष्य में सुबह के शो की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक सार्वजनिक हित, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर उचित रूप से विचार नहीं किया जाता। शनिवार रात एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 16 जनवरी से यह आदेश प्रभावी हो जाएगा, जिसमें बढ़ी हुई दरों पर फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति वापस ले ली जाएगी। गेम चेंजर के निर्माताओं की मांग पर राज्य सरकार ने 3 जनवरी को आदेश जारी किया था। इसके मुताबिक 10 जनवरी को छह शो (जिसमें 4 बजे का अतिरिक्त शो भी शामिल था) प्रदर्शित करने की अनुमति दी गई थी। साथ ही, मल्टीप्लेक्स थिएटरों के लिए 150 थिएटरों के लिए तय किए गए थे। हालांकि, सरकार ने अतिरिक्त शो और मूल्य वृद्धि की अनुमति देते हुए यह भी कहा था कि फिल्म के साथ नारकोटिक्स और ड्रग्स के प्रभाव तथा साइबर अपराध के बारे में विज्ञापन भी दिखाए जाने चाहिए। इसके बाद 10 जनवरी को उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी किया, जिसमें सरकार को टिकट दरों में 150 रुपये और 100 रुपये की वृद्धि के फैसले वापस लेने और सुबह के शो की अनुमति भी नहीं देने के निर्देश दिए गए। गेम चेंजर के कलेक्शन की बात करें तो शुक्रवार को यह फिल्म 51.25 करोड़ रुपये का ही कारोबार कर सकी। वहीं, दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में 57 फीसदी से ज्यादा की गिरावट नजर आई। शनिवार को फिल्म ने 21.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 72.5 करोड़ रुपये हो गई है।

दोस्तों के साथ पार्टी करते नजर आए नागा शोभिता, सामने आई अनदेखी तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला अपने दोस्तों के साथ पार्टी करते नजर आए। दोनों की अनदेखी तस्वीर शेयर की, जिसमें शोभिता और नागा चैतन्य भी शामिल थे। सोशल मीडिया पर सामने आई फोटो में सभी सभी

की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं।हाल ही में नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला अपने दोस्तों के साथ समय बिताते नजर आए। इंस्टाग्राम पर अभिनेता सुशांत अनुमोलू ने हाल ही में हुई एक पार्टी लिविंग रूम में पोज दे रहे हैं। इस दौरान नागा चैतन्य ने ग्रे हुडी और ट्राउजर पहना था। वह अपने दोस्तों के साथ सोफे के पास खड़े थे। शोभिता सेंटर टेबल के पास फर्श पर बैठी थीं और मुस्कुरा रही थीं। एक्ट्रेस को मैरून रंग के आउटफिट में देखा गया। उनके कई दोस्त उनके आस-पास बैठे या खड़े थे। फोटो शेयर करते हुए सुशांत ने लिखा, ठधुंधला लेकिन आनंदमय और दिल वाली इमोजी शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी साल 2024 की सबसे चर्चित शादियों में से एक है। एक भव्य समारोह में दोनों ने तेगुलु परंपरा से शादी की। इस जोड़े ने 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में एक दूसरे के होने की कसम खाई। शादी के कुछ दिनों पहले ही दोनों ने सगाई करते हुए अपने फैंस को चौंका दिया था। शादी समारोह के बीच सोशल मीडिया पर शोभिता धुलिपाला को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। अभिनेता नागा चैतन्य के वर्क फ्रंट की बात की जाए तो उनका आगामी प्रोजेक्ट 'थंडेल' है, जो 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं, शोभिता को आखिरी बार जी5 की फिल्म 'लव सितारा' में देखा गया था।

कंगना रनौत ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को दिखाई इमरजेंसी, अनुपम खेर भी हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को अपनी निर्देशित फिल्म

इमरजेंसी दिखाई। इस दौरान अनुपम खेर भडी शामिल हुए।कंगना रनौत निर्देशित फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कंगना रनौत की बतौर निर्देशक पहली फिल्म इमरजेंसी की स्पेशल स्क्रीनिंग में भाग लिया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में कंगना रनौत की आगामी फिल्म इमरजेंसी की स्पेशल स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया। इस स्क्रीनिंग में कंगना और दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर भी मौजूद थे। स्क्रीनिंग के बाद एक्स पर अपने विचार शेयर करते हुए नितिन गडकरी ने भारत के इतिहास के एक महत्वपूर्ण लेकिन दुखद अध्याय पर प्रकाश डालने के लिए फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इमरजेंसी की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान कंगना ने बेज रंग की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वह हमेशा की तरह खूबसूरत दिखाई दीं, जबकि अनुपम खेर ने नीले रंग का सूट पहना हुआ था। स्क्रीनिंग के बाद, तीनों ने मीडिया से बातचीत की और फिल्म और इसके बारे में अपने विचार व्यक्त किए। कंगना ने इंस्टाग्राम पर भी नितिन गडकरी और अनुपम खेर के साथ तस्वीरें शेयर कीं। इस पोस्ट के साथ कंगना ने लिखा, 'इमरजेंसी विद नितिन गडकरी जी, रिलीजिंग 17 जनवरी...'नितिन गडकरी ने अपने एक्स पर इमरजेंसी के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए लिखा, ठआज नागपुर में कंगना टीम जी और श्री अनुपम खेर जी की फिल्म इमरजेंसी की खास स्क्रीनिंग में शामिल हुआ। मैं हमारे देश के इतिहास के काले अध्याय को इतनी प्रामाणिकता और उत्कृष्टता के साथ प्रस्तुत करने के लिए फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

कब होगा बिग बॉस का ग्रैंड फिनाले, कितनी है इमानी राशि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 का ग्रैंड फिनाले कब होगा, यह कितनी देर चलेगा? इस इवेंट से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण चीजें आइए जानते

हैं...टीवी का लोकप्रिय शो बिग बॉस 18 अपने ग्रैंड फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इस सीजन ने दर्शकों को शुरुआत से लेकर अब तक अपने रोमांच, ड्रामा और इमोशनल मोमेंट्स से बांधे रखा। अब शो के फिनाले की घड़ी नजदीक आ चुकी है। कई चर्चित चेहरे इस प्रतिष्ठित खिताब के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने वाले हैं। आइए फिनाले के बारे में वो सारी जरूरी बातें बताते हैं, जो आपको पता होनी जरूरी है।बिग बॉस 18 का ग्रैंड फिनाले 19 जनवरी 2025 को रात नौ बजे शुरू होगा और यह लगभग तीन घंटे तक चलेगा। यह कार्यक्रम कलर्स टीवी पर लाइव प्रसारित होगा। इसे जियो सिनेमा पर भी स्ट्रीम किया जा सकेगा। पूरे देश के दर्शक इस ग्रैंड फिनाले के दौरान विजेता को बिग बॉस ट्रॉफी जीतते हुए देख सकेंगे।

रवीना टंडन के बारे में सलमान खान ने कही ऐसी बात, जिसे सुनकर राशा थडानी-अमन देवगन भी हुए हैरान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 के आज रात के एपिसोड में दिखेगी ग्रैंड मस्ती क्योंकि इस दौरान सलमान खान

के साथ नजर आएंगी रवीना टंडन और आजाद फिल्म की स्टार कास्ट राशा थडानी और अमन देवगन, लेकिन इस दौरान सलमान ने रवीना से कही ऐसी बात, जिसे सुनकर अमन-राशा भी हैरान हो गए।बिग बॉस 18 के घर आजाद की स्काटकास्ट, राशा थडानी और अमन देवगन अपनी फिल्म का प्रमोशन करने आए। इस दौरान रवीना टंडन भी बेटी राशा को सरप्राइज देने के लिए पहुंचीं। सलमान के साथ बातचीत करते हुए, रवीना ने बारे में भाईजान ने एक ऐसी बात बोली, जिसे सुनकर राशा और अमन भी हैरान रह गए। आखिर दबंग ने ऐसा क्या कहा था रवीना से बिग बॉस 18 के शो के दौरान जब रवीना टंडन सेट पर पहुंचीं तो सलमान ने उन्हें बताया कि शो की टीम के पास उनके शुरुआती दिनों की कुछ पुरानी तस्वीरें हैं। पहली तस्वीर दिखाए जाने के बाद रवीना बेहद हैरान हो गईं। फोटोशूट की यह तस्वीर सलमान ने रवीना को अपनी पीठ पर उठा रखा था। यह देखकर रवीना हैरान रह गईं और अभिनेत्री ने बताया कि सलमान ने उनसे इस दौरान एक हैरान करने वाली बात कही थी। रवीना ने बताया कि सलमान ने उनसे पूछा, ठतुम्हारा वजन कितना है?ठ इस पर राशा और अमन देवगन हंस पड़े। अभिनेत्री ने आगे बताया, ठमैं उस समय बहुत मोटी थी।ठ रवीना और सलमान की एक साथ डांस करते हुए एक और तस्वीर भी दिखाई गई। इस तस्वीर के बारे में एक किस्सा शेयर करते हुए रवीना ने कहा, ठयह शो साउथ अफ्रीका में था।ठ अभिनेत्री ने याद किया कि कैसे सलमान खान फ्लाइट के उड़ान भरते ही सो जाते थे। रवीना ने कहा, ठउस समय इंस्टाग्राम नहीं था, वरना मैं स्नैपशॉट लेती और उसे इंस्टाग्राम पर डाल देती।एक और तस्वीर सामने आई जिसमें सलमान खान छोटी राशा थडानी के साथ पोज दे रहे हैं। इस तस्वीर ने सभी को हैरान कर दिया और रवीना ने खुलासा किया कि जब यह फोटो क्लिक की गई थी तब राशा 3 साल की थी।इसके अलावा सीजन के आखिरी वीकेंड का वार एपिसोड में कई बाते हुईं, जहां सलमान खान ने करण वीर मेहरा, चुम दरंग और घर के बाकी सदस्यों को सबक सिखाया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।